समाज विकास

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र

• अगस्त २०२२ • वर्ष ७३ • अंक ०८

मूल्य : ₹ १० प्रति, वार्षिक ₹ १००

राष्ट्र के ७५वें स्वतंत्रता दिवस की वर्षगाँठ के अवसर पर शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता स्थित अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन, केन्द्रीय कार्यालय भवन के समक्ष सम्मेलन के पदाधिकारियों-सदस्यों के साथ झंडोत्तोलन करते राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री भानीराम सुरेका। चित्र में परिलक्षित हैं - सर्वश्री पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष नंदलाल रुँगटा, राष्ट्रीय महामंत्री संजय हरलालका, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री द्वय सुदेश अग्रवाल और गोपाल अग्रवाल, राष्ट्रीय संगठन मंत्री बसंत मित्तल, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष दामोदर बिदावतका, शिव कुमार लोहिया, नंदलाल सिंघानिया, ओम प्रकाश अग्रवाल, घनश्याम सुगला, रतनलाल अग्रवाल, अरुण प्रकाश मल्लावत, रमेश कुमार बूबना, संजय शर्मा, अमित मुँधड़ा एवं काशी प्रसाद धेलिया।

१४ अगस्त २०२२ को अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की राष्ट्रीय स्थायी समिति की बैठक आयोजित की गयी। बैठक को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री भानीराम सुरेका संबोधित करते हुये। चित्र में राष्ट्रीय महामंत्री श्री संजय हरलालका, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री श्री गोपाल अग्रवाल, राष्ट्रीय संगठनमंत्री श्री बसंत कुमार मित्तल, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष, श्री दामोदर प्रसाद बिदावतका, विभिन्न उपसमितियों के चेयरमैन श्री शिवकुमार लोहिया, श्री दिनेश जैन, श्री नंदलाल सिंघानिया, श्री पवन कुमार जालान, श्री ओमप्रकाश अग्रवाल सहित श्री रवि लोहिया, श्री नवीन गोपालिका, श्री अरुण प्रकाश मल्लावत, श्री अमित मुँधड़ा, श्री काशी प्रकाश धेलिया, श्री संजय शर्मा एवं श्री संदीप सेक्सरीया उपस्थित थे।

इस अंक में :

सम्पादकीय	:	राष्ट्रीय पुर्नजागरण का अवसर है अमृत महोत्सव
अध्यक्षीय	:	भारत को विकसीत राष्ट्र बनाना हमारा लक्ष्य है।
रपट	:	विधिक (लीगल) उपसमिति की बैठक, राष्ट्रीय स्थायी समिति की बैठक,सेमिनार उपसमिति की बैठक, स्वतंत्रता दिवस समारोह
प्रांतीय समाचार	:	पूर्वोत्तर, पश्चिम बंग, झारखंड, बिहार, उत्कल, दिल्ली, गुजरात

बधाई !

झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के नवनिर्वाचित अध्यक्ष - श्री बसंत कुमार मित्तल

Rungta Office, Nagar Parishad Complex, Chaibasa, Jharkhand- 833201
Email - tmtsales@rungtasteel.com

समाज विकास

◆ अगस्त २०२२ ◆ वर्ष ७३ ◆ अंक ८
◆ एक प्रति - ₹१० ◆ वार्षिक - ₹१००

अनुक्रमणिका

शीर्षक	पृष्ठ संख्या
● **सम्पादकीय : शिव कुमार लोहिया** राष्ट्रीय पुर्नजागरण का अवसर है अमृत महोत्सव	४-५
● **अध्यक्षीय : गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया** भारत को विकसित राष्ट्र बनाना हमारा लक्ष्य है	६-७
● **रपट –**	
विधिक (लीगल) उपसमिति की बैठक	७
राष्ट्रीय स्थायी समिति की बैठक	८
सेमिनार उपसमिति की बैठक	९
स्वतंत्रता दिवस समारोह	१०
● **प्रादेशिक समाचार** पूर्वोत्तर, पश्चिम बंग, झारखंड बिहार, उत्कल, दिल्ली, गुजरात	१३-२४
● **आलेख –**	
श्री अरविन्द सार्धशती - आलोक तुलस्यान	२५
● **देव-स्तुति :** डॉ. जुगल किशोर सर्राफ	२६

स्वत्वाधिकारी

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
All India Marwari Federation

प्रशासनिक एवं सम्पर्क कार्यालय : **४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०००१७**
फोन : ०३३-४००४ ४०८९
पंजीकृत कार्यालय : १५२बी (द्वितीय तल), महात्मा गांधी रोड कोलकाता - ७००००७

◆ email: aimf1935@gmail.com
◆ Website : www.marwarisammelan.in

स्वत्वाधिकारी ऑल इण्डिया मारवाड़ी फेडरेशन के लिये **श्री भानीराम सुरेका** द्वारा ऑल इण्डिया मारवाड़ी फेडरेशन, ४बी, डकबैक हाउस (४ तल्ला), कोलकाता-१७ से प्रकाशित तथा सी.डी.सी. प्रिंटर्स प्रा. लि., ४५, राधानाथ चौधरी रोड, कोलकाता - ७०००१५ से मुद्रित।

◆ प्रेरक संपादक : सीताराम शर्मा ◆ सम्पादक : शिव कुमार लोहिया

प्रकाशित रचनाओं से सम्पादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।

श्री कृष्ण जन्माष्टमी की शुभकामनाएँ!

दुलाराम सहारण को राजस्थान साहित्य अकादमी का अध्यक्ष नियुक्त किया गया।
हार्दिक बधाई!

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
4बी, डकबैक हाउस (चौथा तल्ला)
41, शेक्सपियर सारणी, कोलकाता-700 017

समाज से सादर निवेदन

वैवाहिक अवसर पर मद्यपान करना - कराना धार्मिक एवं सामाजिक दोनों रूप से उचित नहीं है।

प्री-वेडिंग शूट हमारी सभ्यता एवं संस्कृति के खिलाफ है।

समाजहित में इनसे परहेज करें।

निमंत्रण में ई-कार्ड को बढ़ावा दें।

राष्ट्रीय पुर्नजागरण का अवसर है अमृत महोत्सव

सन् १९४७ में देश विभाजन एवं दंगों की विभिषिका से उबरने की कोशिश में था। आम आदमी त्रस्त था। पिछले दो सौ वर्षों में भारतीय अस्मिता को आर्थिक, नैतिक एवं सामाजिक दृष्टि से कुचलने का अंग्रेजों ने हर संभव कुचक्र चलाया था। अपने अपार संसाधनों के बावजूद आम आदमी की अवस्था दयनीय थी। देश को सिलसिलेवार ढंग से किस प्रकार लूटा गया, उसका एक उदाहरण इस एक बात से मिलता है कि सन् १७०० में विश्व में सम्पूर्ण आय का २२.६ प्रतिशत भारत का था, वह सन् १९४७ आते आते घटकर ३ प्रतिशत से भी कम हो गया। देश रियासतों में, आमलोग जाति, उपजाति, धर्म आदि में बंटे हुए थे। स्वास्थ्य एवं शिक्षा की सुविधा नगण्य थी। सबसे बड़ी बात तो यह थी कि अंग्रेज देश वासियों का दमन करने के लिये उनके भाईयों को ही लगा रखे थे। जालियांवाला बाग में निहत्थे नागरिकों पर गोली चलाने का आदेश भले ही अंग्रेज जनरल डायर ने दिये हों बन्दुक से उन पर गोली दागने वाली अंगुलियाँ भारतीयों की ही थी। अपनी रोजी रोटी के लिये अंग्रेजों का आदेश मानने को बाध्य थे। अंग्रेजों के अधीनस्थ काम करने वाले सिपाहियों के मानसिक दशा का विवरण प्रख्यात साहित्यकार मुंशी प्रेमचंद की पत्नी शिवरानी देवी द्वारा लिखित पुस्तक 'प्रेमचंद घर में' मिलता है। शिवरानी देवी स्वयं भी स्वाधीनता सेनानी थी। लखनऊ के झंडेवाला पार्क में उन्हें गिरफ्तार किया गया। उस समय एक सिपाही अपनी भावनाओं को रोक नहीं सका। वह व्यक्ति उन महिला कार्यकर्ताओं के देश के लिये निःस्वार्थ रूप से जेल जाने के संबंध में उनसे कहा "माताजी हमें २३ रुपया यहाँ मिलता है। लेकिन और कही हमें दस रुपया भी देना कबूल करे तो हम पाप की इस नौकरी को अभी छोड़ दें।" शिवरानी देवी ने जब उसके प्रति अपनी सहानुभूति जताई तो उस सिपाही ने कहा "आप इतने उदार है इसलिये जेल जा रहे हैं। हमारे लिये यह दुखद बात है कि अपनी माताओं-बहनों की पूजा करने की जगह उन्हें जेल ले जा रहे हैं।"

देश के नेताओं ने इस परिस्थिति को समझते हुए साधारण जनता को जागृत करने का अथक प्रयास किया। देश के कोने-कोने से स्वतंत्रता की आवाज उठने लगी। शहीद भगत सिंह ने **'इंकलाब जिन्दाबाद'** का नारा बुलन्द किया। बंकिम चंद्र चटर्जी ने अपनी पुस्तक आनन्द मठ में **'वंदे मातरम्'** का जयघोष किया। बाल गंगाधर तिलक ने आज जनता को आभास दिलाया - **स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है और मैं इसे लेकर रहूँगा।** असफाकुल्ला खाँ ने कहा - खून से खेलेंगे होली गर वतन मुश्किल में है। अमर शहीद चन्द्रशेखर आजाद ने कहा-

अब भी जिसका खून न खौला वो पानी है।
जो देश के काम न आए वह बेकार जवानी है।

रामप्रसाद विस्मिल ने कहा -

सरफरोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है।
देखना है जोर कितना बाजुएँ कातिल में है।

गाँधीजी ने **"करो या मरो"** का संदेश दिया। सुभाषचंद्र बोस ने कहा **"तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूँगा"**। असंख्य शहीदों के बलिदान से स्वतंत्रता का मार्ग प्रशस्त हुआ।

स्वतंत्रता किसी वर्ग जाति या धर्म विशेष की धरोहर नहीं। यह मानव का मूल मंत्र है। जहाँ जीवन, वहाँ स्वतंत्रता आवश्यक है। व्यक्ति, समाज एवं देश के आत्मिक, नैतिक, धार्मिक, सामाजिक और राजनीतिक जीवन के विकास के लिये स्वतंत्रता अति आवश्यक है। मनुष्य का यह जन्मसिद्ध अधिकार है कि उसे अपने शरीर, बुद्धि तथा धन अपनी इच्छानुसार इस प्रकार प्रयोग करने दिया जाय ताकि दूसरे किसी को हानि नहीं पहुँचे। स्वतंत्रता एवं समानता - दो आवश्यक उपादान। समाज के सभी व्यक्तियों को धन, शिक्षा और ज्ञान अर्जन करने की समान अवसर उपलब्ध होने चाहिए।

इस परिप्रेक्ष्य में अपनी स्वतंत्रता से प्राप्त अवसर को पूर्णरूप से अपनाने में हम कितने सफल हुए हैं, इस बात का सिंहावलोकन का सटीक अवसर है। आजादी का अमृत महोत्सव। इस बात को नकारा नहीं जा सकता कि देश ने अनेक क्षेत्रों में प्रगति की है। उदाहरण के तौर पर हमारे अनाज का उत्पादन कई गुना बढ़ा है एवं इस मामले में अब हम आत्मनिर्भर है। १९४७ में जहाँ ०.४ मिलियन किलोमीटर सड़क थे, वर्तमान में बढ़कर ६.४ मिलियन किलोमीटर हो गई है। गाँवों में बिजली पहुँच गई है। स्वास्थ्य एवं दूर संचार के क्षेत्र में विश्वस्तरीय प्रगति हुई है। देश के संस्थानों में प्रशिक्षित शिक्षार्थी न केवल देश में बल्कि विदेशों में भी सफलता का परचम लहरा रहे हैं।

हमारे सफलता की सर्वोत्तम उपलब्धि है हमारा संविधान। इसके माध्यम से हमें मिला समानता, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, स्वधर्म पालन की स्वतंत्रता, गोपनीयता का अधिकार एवं अपने मौलिक अधिकार को लागू करने का अधिकार। संविधान के अंतर्गत विधान मंडल, न्यायपालिका एवं प्रशासनिक व्यवस्था को आपसी संतुलन रखते हुए पूरा नियंत्रण करने का भार दिया गया। इस बात को समझने की आवश्यकता है कि उन सारी व्यवस्था का निष्पादन करने वाले व्यक्ति हमारे समाज के ही अंग है। अतः सारी व्यवस्था एवं उसके निष्पादन के पीछे समाज व्यवस्था एवं सामाजिक परिवेश का महत्वपूर्ण स्थान होता है। ७५ वर्ष के अंतराल में आज हमारी क्या स्थिति है? "हम कौन थे, और क्या हो गये हैं और क्या होंगे अभी?" इस विषय में हमारी दशा एवं दिशा के विषय में चिंतन-मनन करने का उपयुक्त समय है। इस मंथन से जो अमृत निकलेगा वह समाज एवं देश को उचित मार्ग दिखलाएगा। देवासुर संग्राम में जब देवता थक गये थे तब समुद्र

मंथन से निकला अमृत का पान करने के बाद देवता नई स्फूर्ति एवं ऊर्जा के साथ लड़ते हुए विजयश्री प्राप्त किये थे।

हमारे देश की पूरे विश्व में एक विशिष्ट पहचान है। वह देश अगर दूसरों से पिछड़ा रहे तो कमी हममें है। उन कमियों को दूर करना हमारा प्रथम उद्देश्य होना चाहिए। डॉ. अम्बेडकर ने कहा था - जब तक हम सामाजिक स्वतंत्रता प्राप्त नहीं करते, कानून द्वारा जो भी स्वतंत्रता प्रदान की जाती है वह आपके किसी काम की नहीं। बीसवीं शताब्दी के प्रारंभ में स्वामी विवेकानंद ने कहा था- नया भारत किसानों की कुटिया से, हल पकड़कर झोपड़ियों से, मोची से, सफाई करनेवाले से उत्पन्न हो। गाँधी जी ने भी अंत्योदय की बात की थी। इस संदर्भ में राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की पंक्तियों का स्मरण हो आता है–

आजादी रोटी नहीं, पर दोनों में कोई बैर नहीं।
पर कहीं भूख बेताब हुई, तो आजादी की खैर नहीं।

स्वतंत्रता के ७५वें वर्ष के बाद भी पक्षपात एवं हिंसा का प्रदर्शन कम नहीं हुआ बल्कि बढ़ा है। आपसी घृणा फैल रही है। चाहे धर्म के नाम पर हो या जाति के नाम पर हो, राजनीतिक प्रतिद्वन्दिता उग्र रूप ले रही है। विद्वेष का बोलबाला है। मानवीय संबंधों, मूल्यबोध एवं संवेदशीलता में कमी आ रही है। बढ़ते हुए साधन एवं धन के बावजूद अतृप्ति बढ़ रही है। निजी स्वार्थ, खुदगर्जी, कुप्रबंध, येन केन प्राकरेण सत्ता पर काबिज रहना, पद का दुरुपयोग कर धन-सम्पदा एकत्रित करना, जैसे रूपो में भ्रष्टाचार अपने पांव पसार रहा है। प्रजातंत्र का बहुत बड़ा हिस्सा कानून-व्यवस्था, दंड विधान प्रणाली, प्रशासनिक व्यवस्था के नियोजन में संलग्न है। फिर भी भ्रष्टाचार अपने अनेक रूपों में हमारे समाज व्यवस्था को दीमक की तरह अंदर से खोखली करती जा रही है। भ्रष्टाचार एक कैंसर है, एक ऐसा कैंसर जो लोकतंत्र में नागरिकों के विश्वास को खत्म कर देता है। यह पूरी पीढ़ियों की प्रतिभा को बर्बाद कर देता है। नवाचार एवं रचनात्मक प्रकृति को कम कर देता है। सत्ता की गलियारों में यह बात आम हो गई है कि सभी ईमानदार है, जब तक पकड़े न जाय। आर्थिक उदारवाद, सामाजिक अनुदारवाद ला रहा है। यौन प्रतारण, पारिवारिक हिंसा, नशीली पदार्थों का दुरुपयोग, वरिष्ठ नागरिकों की अवहेलना थमने का नाम नहीं ले रही। दूसरे के विचारों एवं अधिकारों को बर्दाश्त करने की समझ लुप्त होती जा रही है। उतेजना एवं आक्रमकता के मध्य आपसी संवाद हो रहे हैं। व्यक्ति एक दूसरे पर चढ़ना चाहता है। एकाधिकार-स्वेच्छा चारिता, मूल्यहीन होकर धन ऊपार्जन भोगवाद अब आजादी के पर्याय बनते जा रहे हैं। गरीब और अमीर के बीच की खाई चौड़ी एवं गहरी हो रही है। इस संदर्भ में अटल बिहारी बाजपेयी की पंक्तियाँ याद आती है -

कलकत्ते की फुटपाथों पर जो आंधी पानी सहते हैं।
उनसे पूछों पन्द्रह अगस्त के बारे में क्या कहते हैं।

नृशंसता में आनंद खोजने वालों की संख्या बढ़ रही है। अशांति, हिंसा, घृणा हमें अब विचलित नहीं करते। आरोप प्रत्यारोप को बढ़ावा देकर मीडिया अपने टीआरपी की सार्थकता मजबूत कर रहे हैं। बौद्धिक दिवालियापन समाज में काबिज हो रहा है। देश की ५८ प्रतिशत आबादी अभी भी कृषि पर निर्भर है। किसानों की हालत सर्वाधिक सोचनीय है। किसानों की आत्महत्या सिर्फ अखबारों या दूरदर्शन में ही विचारणीय विषय रह गये हैं। हाल यह है कि लोग गाते-गाते चिल्लाने लगते हैं। संविधान का अत्यंत ही सशक्त स्तम्भ न्यायपालिका की स्थिति पर नजर डालना भी आवश्यक है। अगस्त २२ के प्रथम सप्ताह में संसद में भारत सरकार द्वारा दिये गये आंकड़ों के अनुसार अकेले सुप्रीम कोर्ट में ७१४११ मामले फैसलों की प्रतीक्षा कर रहे हैं। इनमें १०४९१ दस वर्षों से अधिक, १८१३४ मामले ५ से १० वर्षों के बीच एवं ४२००० से अधिक मामले ५ वर्षों के कम पुराने हैं। राज्यों के उच्च न्यायालयों में २०१६ में ४०२८५९१ मामले लंबित थे। जो कि ६ वर्षों में ५० प्रतिशत बढ़कर २९ जुलाई २०२२ को ५९५५९०७ हो गये हैं। उसके नीचे के न्यायालयों में तो करोड़ो की संख्या में मामले लंबित हैं। इन आंकड़ों से सहज में ही समझ आता है कि गरीबों के लिये न्याय कितना दुर्लभ हो गया है। यह बढ़ती हुई संख्या किसी न किसी प्रकार से समाज व्यवस्था की वर्तमान स्थिति के विषय में बहुत कुछ बताती है। दुष्यंत कुमार की पंक्तियाँ बिल्कुल सठीक बैठती है-

इस सड़क पर इस कदर कीचड़ बिछी है
हर किसी का पांव घुटनों तक सना है।

ऐसा लगता है हमारे सोच में, व्यवहार में, एवं जीवन में अब सुचिता, उच्च आदर्शों का स्थान नगण्य होता जा रहा है। झूठ अब किसी दायरे में सीमित नहीं है। यो भी कह सकते हैं झूठ अब झूठ नहीं रह गया। धन का डंका सर्वत्र बज रहा है चरित्र की बात करने वालों को बेवकूफ समझा जाता है। इन महत्वपूर्ण संकेतकों की अनदेखी हो रही है। हालत यह है कि-

फिसले तो इस जगह से लुढ़कते चले गए
हमको पता नहीं था कि इतनी ढलान है।

स्वामी विवेकानंद ने बहुत पहले ही मानव निर्माण की बात की थी। मानव निर्माण को छोड़कर हम सभी अन्य निर्माण में संलग्न है। हमारे युवा को अब उच्च आदर्श प्रभावित नहीं करते। इसके लिये वर्तमान पीढ़ी जिम्मेदार है। हमारे युवा अपने स्वार्थ के लिये संघर्ष कर रहे हैं। देश निर्माण की चिंता विरलों को ही है।

हमारी संस्कृति वसुधैव कुटुम्बकम् की रही है। व्यापक दृष्टि कोण अपनाते हुए समाज के सभी वर्गों एवं अंगों को कंधा से कंधा मिलाते हुए देशहित में स्वयं को नियोजित करना समय की पुकार है। विवाद की जगह संवाद अपनाना होगा। निजी स्वार्थों को तिलांजलि देते हुए हमें यह सोचना है कि देश के लिए हम क्या कर सकते हैं। आज देश अनेक समस्याओं से जूझ रहा है। पूरे विश्व में उथल-पुथल का दौर है। विशेषकर हमारे पड़ोसियों की बुरी नजर हम पर है। भारत में असीम क्षमता है। पूरा विश्व भारत की ओर देख रहा है। अमृत महात्सव राष्ट्रीय पुर्नजागरण का अवसर है। स्वतंत्रता के पहले देश के प्रति जो जागरण हुआ था उसी को फिर से जागृत करें अमृत महोत्सव से अमरत्व प्राप्त करने का एक ही मार्ग है।-

वतन पर जो फिदा होगा, अमर वो हर नौजवां होगा।

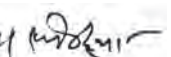

शिव कुमार लोहिया

भारत को विकसित राष्ट्र बनाना हमारा लक्ष्य है

– गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया

प्रिय बंधुओं,

१५ अगस्त २०२२ को हमारे देश भारत की स्वतंत्रता का ७५वाँ वर्ष पूरा हो रहा है, जिसे हम अमृत महोत्सव के रूप में मना रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने १२ मार्च २०२१ को अहमदाबाद के साबरमती आश्रम में आजादी के अमृत महोत्सव का उद्घाटन किया था, क्योकि इसी दिन महात्मा गाँधी ने 'नमक सत्याग्रह' आन्दोलन की शुरुआत की थी। तब उन्होंने कहा था कि यह उपयुक्त समय है २०४७ पर ध्यान केन्द्रित करने का, जब हम स्वतंत्रता के १०० वर्ष पूरे करेंगे।

आजादी का अमृत महोत्सव, मना रहे हैं हम,
सबसे ऊँचा रहे तिरंगा, दुनिया में हर दम।
दुनिया में हर दम, पस्त हों दुश्मन सारे,
विश्व गुरु के चहुँ ओर, गुंजे जय कारे।

प्रश्न है कि आजादी का अमृत महोत्सव क्यों? इसके पीछे विशेष प्रयोजन है, यह महत्वपूर्ण अवसर है जब हम इतिहास का सिंहावलोकन एवं भविष्य का चिंतन करें। अंग्रेजों की सदियों की गुलामी से आजादी मिली, देश को स्वतंत्र करने के लिए राष्ट्र के जिन सपूतों ने बलिदान दिया कष्ट सहे उन्हें याद करना एवं उनके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करना हमारा राष्ट्रीय दायित्व है। इन विशेष कारणों से आजादी के अमृत महोत्सव के माध्यम से उन सभी लोगों को स्वतंत्रता और लोकतंत्र के सही मायने बताना बहुत ही जरूरी है और साथ ही यह बताना भी जरूरी है कि इन ७५ वर्षों में भारत ने क्या क्या उपलब्धियाँ हासिल की है।

वर्तमान की युवा पीढ़ी सम्भवतः आजादी के संघर्ष और लोकतंत्र के महत्व का बेहतर ढंग से विश्लेषण नहीं कर पाती है। कई विचार धाराओं में बंटी यह पीढ़ी उहापोह के एक चौराहे पर खड़ी है। ऐसे में उसे अपने देश के इतिहास और वर्तमान से जोड़ना जरूरी है। इतिहास की मजबूत नींव पर ही सुनहरे भविष्य का निर्माण हो सकता है। कहते हैं कि जो देश अपना इतिहास भूल जाता है उसका भूगोल भी बदल जाता है। और ऐसा हुआ भी है, कई कुर्बानियाँ भी व्यर्थ चली गई तब जब देश का विभाजन हुआ। भारत को आजाद कराने के लिए किन-किन चुनौतियों का सामना करना पड़ा और क्या-क्या कुर्बानियां भारत को देनी पड़ी, यह आज की युवा पीढ़ी को जानना जरूरी है। साथ ही यह भी कि आने वाले समय में किन चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा।

हालांकि पुस्तकों और स्कूलों में पढ़ाए गये पाठ्यक्रम से आजादी के बारे में कुछ जानकारी मिल जाती है लेकिन वह करीबी से इसके संघर्ष की कहानी को नहीं जान पाते, इतिहास की बहुत सी बातें पाठ्यक्रम में नहीं है जिन्हें जानना या बताना जरूरी है। यह सरकारों का काम है कि आजादी के बलिदान के स्वर्णिम पृष्ठ जो छुट गये हैं, उन्हें पाठ्यक्रम के जरिये नई पीढ़ी को बताये।

भारत को विश्व की अर्थव्यस्था में एक शक्ति माना जाने लगा है। भारत में युवाओं की संख्या अधिक है जो अपनी काबिलियत से लगातार उन्नति और सफलता के परचम लहरा रहे हैं और देश के विकास में सहयोग कर रहे हैं। भारत ने एक बुरी अर्थव्यवस्था का दौर भी देखा है जब आजादी के बाद भारत देश को बंटवारे का दंश झेलना पड़ा, भारत को चीन के साथ युद्ध में जूझना पड़ा, साथ ही साथ १९६५ में पाकिस्तान के साथ युद्ध तथा १९७१ में फिर पाकिस्तान के साथ उसके विघटन हेतु युद्ध और बांगलादेश का निर्माण। इसके अलावा १९८९ का वह समय जब भारत को भी विदेशी मुद्रा के लिए अपना सोना तक गिरवी रखना पड़ा था। इन घटनाओं के बाद भारत की अर्थव्यवस्था पूरी तरह से टूट चुकी थी। लेकिन फिर भी लगातार प्रयास और देश प्रेम के दम पर भारत आज एक बड़ी अर्थव्यवस्था और हर क्षेत्र में विकास वाला देश बन गया है। सन् १९४७ में हमारा सकल घरेलु उत्पाद मात्र २.४७ लाख करोड़ थी जो आज अमृत महोत्सव के वर्ष में २३६ लाख करोड़ से ज्यादा है।

आज भारत एक परमाणु शक्ति होने के साथ ही बड़ी सैन्य शक्ति भी है यही नहीं चंद्रमा और मंगल पर मानव रहित मिशन भेजने वाले ५ देशों की सूची में भारत का भी नाम शामिल है, जो कि हर भारतवासी के लिए गर्व की बात है। साथ ही भारत ही एकमात्र ऐसा देश है जिसने बहुत कम खर्च में मंगल मिशन को पहली बार में ही सफल बनाया।

सबका साथ सबका विकास के नारे के साथ भारत सरकार लगातार अपनी योजनाओं के माध्यम से लोगों तक सेवाएं पहुँचा रही है परन्तु अभी भी आर्थिक सुधारों का अपेक्षित लाभ गरीबों एवं मध्यम वर्ग को पूरी तरह से नहीं मिल पाया है, फिर भी वर्तमान भारत की तस्वीर बदल रही है। आज भारत को दुनिया सम्मान और आशा भरी नजरों से देख रही है। इन सभी बातों पर ध्यान देना आवश्यक है क्योंकि जब आप इन सभी बातों पर ध्यान देंगे तो आपको गर्व महसूस होगा कि आप भारतवासी हैं और हम भारत जैसे देश में पैदा हुए हैं, इसलिए आजादी का अमृत महोत्सव मनाना हमारा अधिकार एवं दायित्व दोनों है। आज जरूरत इस बात की है कि भारत का युवा वर्ग उपलब्ध विभिन्न माध्यमों से देश के विकास में योगदान देने का संकल्प करें। राष्ट्र का गौरव तभी जागृत होता है जब युवा वर्ग अपने देश के इतिहास, स्वाभिमान और बलिदान को आत्मसात कर देश को उन्नत बनाने की दिशा में अग्रसर होगा, साथ ही वे यह भी जाने कि हमें स्वतंत्रता किस मूल्य पर मिली और इसके लिए कितना बलिदान देना पड़ा है और स्वतंत्रता का हमें कैसे सदुपयोग करना है।

हम सभी जानते हैं कि भारत के पास समृद्ध इतिहास और सांस्कृतिक विरासत का एक अथाह भंडार है, जिस पर हमें गर्व होना ही चाहिए। यह आजादी का अमृत महोत्सव उन सभी वीर जवानों और स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को समर्पित है जिन्होंने अपना सर्वोच्च बलिदान देकर हमें स्वतंत्रता दिलाई भारत को आजादी दिलाने के लिए देश के कोने-कोने से असंख्य पुरुषों, महिलाओं और युवाओं ने बलिदान दिया था। समय सर्वथा उचित है कि बच्चे, युवा, बड़े सभी में शिक्षा और देशभक्ति की अलख जगे एवं इसके साथ ही समाज एवं राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का भी एहसास हो। "सम्मेलन का ध्येय वाक्य है **'म्हारो लक्ष्य राष्ट्र री प्रगति'** इसको सार्थक बनाने के लिये हम सबको अपना दायित्व निर्वहन करना होगा। मौलिक अधिकारों के प्रति मुखर होना हर नागरिक का अधिकार है। पर साथ ही साथ राष्ट्रीय दायित्वों के प्रति भी सजग होना होगा बिना अधिकर के कर्तव्य दासता होती है वहीं दायित्व निर्वहन के बिना अधिकार निरंकुशता हमें दोनों में संतुलन बनाये रखना है **"हर घर तिरंगा घर घर तिरंगा"** अभियान से पूरे देश में कश्मीर की वादियों से लेकर केरल की घाटियों तक राष्ट्रप्रेम का जो जज्बा बना है इसे एक महोत्सव नहीं अपितु एक निरन्तर आंदोलन के रूप में बनाये रखने की आवश्यकता है तभी हमारा राष्ट्र विकासशील की जगह विकसित राष्ट्रों की पंक्ति में खड़ा होगा।

अंत में मैं नम्रतापूर्वक कहना चाहता हूँ कि त्याग और बलिदान से हमारा भारत देश आजाद हुआ है। एक कर्तव्यपरायण नागरिक होने के नाते आजादी के अमृत महोत्सव में हम सबका सार्थक योगदान होना चाहिये।

सभी को अमृत महोत्सव की बहुत बहुत बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएँ।

रास्ता रास्ता मंजिल जैसा आज नहीं तो कल होगा,
हर चेहरे पर भाव खुशी का आज नहीं तो कल होगा,
आँख की सुर्खी, भींची मुट्ठियाँ, जलते तेवर कहते हैं,
सपना पूरा इस पीढ़ी का आज नहीं तो कल होगा।

जय समाज, जय राष्ट्र!

विधिक (लीगल) उपसमिति की बैठक
विधिक सहायता केन्द्र के गठन का निर्णय

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की विधिक (लीगल) उपसमिति की बैठक ६ अगस्त २०२२ को शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता स्थित सम्मेलन के केन्द्रीय सभागार में आयोजित की गयी। बैठक को संबोधित करते हुये विधिक (लीगल) उपसमिति के चेयरमैन श्री नंदलाल सिंघानिया जी ने सभी का एक दूसरे से परिचय कराने के बाद सभा की शुरुआत करते हुये उन्होंने सभी को परिवार के ऊपर मुद्दा दिया कि समाज में पारिवारिक समस्याएँ बहुत है। इनका निपटारा कैसे करें। समाज में बढ़ती तलाक की समस्यायें हमारे मारवाड़ी समाज में बहुत है। इसका एक कारण शिक्षा भी है केवल शिक्षा के द्वारा हम समाज की समस्या की इस समस्या को समाप्त नहीं कर सकते। हमें शिक्षा के साथ-साथ दीक्षा पर भी ध्यान देने की जरूरत है।

निवर्तमान अध्यक्ष श्री संतोष सराफ जी ने सबसे पहले सभी सदस्यों का साधुवाद दिया फिर उन्होंने कहा कि इस समिति का मुख्य उद्देश्य कानूनी रूपरेखा पर आधारित होनी चाहिये जिसमें सम्मेलन के ऊपर आने वाली कानूनी अड़चनों, शिक्षा के कारण जो कुरीतियाँ अपने समाज में आ रही है उसको रोकने पर भी कार्य करने की जरूरत है, एक सेमिनार करे जो अधिकार एवं कर्तव्यों पर हों जो परिवार की दृष्टि में सही हो। इस सेमिनार को संस्कार-संस्कृति, समाज-सुधार उपसमितियों को मिलाकर करने की आवश्यकता है।

श्रीमती ममता बिनानी जी ने सभा को धन्यवाद दिया कि उन्हें इस समिति में शामिल किया गया इसके उपरान्त उन्होंने महिलाओं को प्रोपर्टी में समान अधिकार हों इस पर चर्चा करते हुये कहा कि ज्यादातर महिलाओं को उनके अधिकारों के बारे में जानकारी नहीं होती है। जैसे वित्तीय जानकारी, महिलाओं को वित्तीय कार्यों की जानकारी नहीं होती है जो उनको दी जानी चाहिये। उनको एक लीगल हेल्प डेस्क का गठन कर उसमें लाया जाये। ये भी समिति का मुद्दा हो जिससे उन महिलाओं को अधिकार दिलाने में सहुलियत हो। उन्होंने कहा कि हम अन्य कानूनी सेवाओं को भी प्रदान कर सकते हैं। जो कानूनी लड़ाई लड़ नहीं पाता हो उसे हम इस लीगल हेल्प डेस्क के अंतर्गत मदद कर सकते हैं। सम्मेलन के वर्तमान राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री भानीराम सुरेका जी ने सभी बातों पर अपनी सहमती जतायी। श्री रतनलाल अग्रवालजी ने कोलकाता आधारित एक सेमिनार करने की बात कही जिसमें क्रिमिनल, सिवल एवं बिजनेस से संबंधित अच्छे वकीलों को जोड़कर उनको इस सेवाओं के बारे में जानकारी दे।

इस उपसमिति ने तीन बातों को करने पर जोर दिया पहला एक लाईयर पैनल की स्थापना हो दूसरा महिलाओं के कर्तव्यों एवं अधिकारों की जानकारी देना एवं तीसरी लोगों को पंचायत की जानकारी दी जाये जिससे किसी भी समस्या को कोर्ट के बाहर ही कम खर्च पर सुलझाया जा सके। सम्मेलन के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री दामोदर बिदावतका जी ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। सभा में श्री अजय गुप्ता एवं राजीव कुमार अग्रवाल (बिलोटिया) भी उपस्थित थे।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की राष्ट्रीय स्थायी समिति की बैठक

गौरवशाली है सम्मेलन का इतिहास : गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया

सम्मेलन को और अधिक मजबूत बनाने हेतु कार्य करने की जरूरत है। इसमें सभी के सहयोग का आह्वान करते हुए बैठक की अध्यक्षता करते हुए राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भानीराम सुरेका ने कहा कि वर्तमान सत्र में राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय महामंत्री द्वारा पूरे देश में किये जा रहे दौरों ने संगठन में नई जान फूंकी है। यही समय की जरूरत भी है। अस्वस्थता के कारण बैठक में अनुपस्थित रहे राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया ने अपने संदेश में कहा कि सम्मेलन का गौरवशाली इतिहास रहा है, हम सबका दायित्व है कि अपने कार्यों से इसमें श्रीवृद्धि करें।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के डकबैक हाउस स्थित सम्मेलन सभागार में १४ अगस्त २०२२ को आयोजित राष्ट्रीय स्थायी समिति की बैठक को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय महामंत्री संजय हरलालका ने मध्य प्रदेश में प्रांत के पुनर्गठन तथा पंजाब व हिमाचल में प्रादेशिक शाखा खोलने की दिशा में चेष्टा की जानकारी दी। संगठन विस्तार के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि वर्तमान सत्र में अब तक पूरे देश में ३५ विशिष्ट संरक्षक, १७ संरक्षक व १९३४ आजीवन सदस्य बने हैं।

राष्ट्रीय महामंत्री ने सम्मेलन विगत के कार्य-कलापों का संक्षिप्त विवरण भी प्रस्तुत किया।

बैठक में सम्मेलन के राष्ट्रीय संगठन मंत्री बसंत कुमार मित्तल ने कहा कि राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री गोपाल अग्रवाल, सेमिनार समिति के चेयरमैन शिव कुमार लोहिया, स्वास्थ्य समिति के चेयरमैन पवन जालान, रोजगार सहायता समिति के चेयरमैन दिनेश जैन, विधिक (लीगल) समिति के चेयरमैन नंदलाल सिंघानिया, सदस्यता निर्देशिका प्रकाशन उपसमिति के चेयरमैन ओम प्रकाश अग्रवाल ने अपनी-अपनी समितियों की गतिविधियों और भावी कदमों के विषय में जानकारी दी।

राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष दामोदर प्रसाद विदावतका ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

बैठक में संजय शर्मा, काशी प्रसाद धेलिया, संदीप सेक्सरिया, अमित मुँधड़ा, अरूण मल्लावत, रवि लोहिया, नवीन गोपालिका सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

कविता

कद तांई

यूं अनमणा सा उदासीण बण्या कद तांई
बैठ्या अपलक आभै नै रोह्गा देखता
भाखर रा बुतसा बण्या कद तांई
टकटकी बांध्यां रोह्गा नौटंकी देखता
लागै लोई थारो जमतो जा रह्यो
कद ई मैं गदर नै देखांगा रेळता
के धीरज थारो थानै लूळो बणा दियौ
या जमारै भर रोह्गा खाली धन समेटता
जै खुद भीख मांगी आकै थारै चूतरै
क्यूं उणरी किरपा तांई भाट बण्या घुमेरता
मोवणा वादा थानै रह्या लुभाता सदा
पण देखां यूं ही हाल तांई तोड़ै मैं है खेलता
ज्यांनै थे बिराज्या ऊंचा आसणा पै
गिंदकडा सा क्यूं उणरै पगां पै रोह् लेटता
भ्रस्ट तंत्र रै गैर वाजब अधिकारां रै सांमी
रोह्गा कद तांई यूँ ही घुटना टेकता
चाकरां रो रोबदारी राजसाही ठाठ
तोड़ै मैं रैह्के चुपचाप रोह्गा के झेळता
चौडैधाडै लूट खसोट भी थानै डोळावै कोनी के
हिंसारी ढ़ाळ बण्या नेता कारिंदा उफणावै कोनी के
किणनै द्यां दोस आचरण देस रो गिरतो जा रह्यो
बबूल रै गाछां नै कदै नीं देख्या आम देवता
नायक ही होवै ढ़ीळो लड़ाई जीता कंइयां
मुरदा बण्या यूं कद तांई रोह्गा कफन मैं लेटता

रतन लाल बंका
रांची, झारखंड

सेमिनार उपसमिति की बैठक सम्पन्न

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के डक बैक हाउस स्थित सम्मेलन सभागार में १४ अगस्त २०२२ को सेमिनार उप समिति की बैठक आयोजित की गयी। बैठक की अध्यक्षता सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री व सेमिनार उपसमिति के चेयरमैन श्री शिव कुमार लोहिया ने की। श्री लोहिया ने सभी उपस्थित महानुभावों का स्वागत किया एवं कार्यक्रमों की रूपरेखा के संबंध में अपने विचार रखने का अनुरोध किया। इस संबंध में दो विषय पर चर्चा की गयी। पहले साल में सेमिनार की बैठक कितनी बार हो। दूसरा किन-किन विषयों पर चर्चा होगी, उसके पहले से ही तय कर ली जाये।

बैठक में राष्ट्रीय महामंत्री ने सभी पदाधिकारियों का अभिनंदन करते हुए कहा कि सम्मेलन का काम है किसी भी मसले व मुद्दे पर सभी को जागरूक करना। हम सभी से अनुरोध कर सकते हैं, निवेदन कर सकते पर किसी पर दबाव नहीं बना सकते। अनुरोध व निवेदन से ही राह दिख कर आसानी से समस्याएं खत्म कर सकते हैं।

सेमिनार उपसमिति के चेयरमैन श्री शिव कुमार लोहिया ने बताया कि सर्व सम्मति से साल में छह संगोष्ठीयाँ आयोजित की जायेगी। यह तय किया कि बैठक शनिवार को होगी। इस दौरान सदस्यों ने कई विषयों पर चर्चा की। श्री लोहिया ने कहा कि चिकित्सकों के परामर्श, (आयुर्वेद, एक्युप्रेसर चिकित्सा), शिक्षा संबंधित सेमिनार, आर्थिक निवेश पर सेमिनार, उद्यमी व अन्य विषयों पर सेमिनार कराया जा सकता है।

सेमिनार उप समिति के संयोजक श्री दिनेश जैन ने सभी का पदाधिकारियों का अभिवादन करते हुए कहा कि समाज सुधार के लिए सेमिनार करना चाहिए। इस सेमिनार में कम से कम पाँच सौ लोग उपस्थित हो। इससे वक्ता (आइकन) के वक्तव्य, उनका जीवन, उनका संघर्ष वो कैसे जीरो से हीरो बने। यह सब ज्यादा से ज्यादा समाज बंधुओं तक पहुँचे। जितने लोग सुनेगे, उनसे ज्यादा लोग जुड़ेगे। इस सेमिनार में हर क्षेत्र के वक्ता को हमें लाना होगा चाहे वह सीए, आईपीएस, आईएएस, सफल व्यवसायी हो।

इस सेमिनार में समाज बंधु बच्चों को भी ज्यादा से ज्यादा लेकर आये। इससे नयी पीढ़ी सम्मेलन से जुड़ेंगे।

राष्ट्रीय संगठन मंत्री बसंत कुमार मित्तल, विधिक (लीगल) उपसमिति के चेयरमैन श्री नंदलाल सिंघानिया, स्वास्थ्य उपसमिति के चेयरमैन पवन कुमार जालान, अमित मुँधड़ा, रवि लोहिया, संदीप सेक्सरिया व संजय शर्मा ने अपने-अपने विचार रखे।

सेमिनार उप समिति के संयोजक श्री दिनेश जैन ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

बधाई!!

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के वर्तमान उपाध्यक्ष श्री मनोज जैन, बलांगीर शाखा के अध्यक्ष निर्वाचित हुए।

हर घर तिरंगा अभियान से राष्ट्र प्रेम का जज्बा बढ़ा: गाड़ोदिया

आजादी की ७५वीं वर्षगाँठ के अमृत महोत्सव के अवसर पर अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के केन्द्रीय कार्यालय डकबैक हाउस के प्रांगण में राष्ट्रीय अध्यक्ष की अनुपस्थिति में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री भानीराम सुरेका ने तिरंगा फहराया। इस मौके पर राष्ट्रीय अध्यक्ष गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया ने अपने संदेश में कहा की आजादी के इन ७५ वर्षों में हमारे देश ने आर्थिक, सामरिक एवं कूटनीतिक क्षेत्र में विश्व मानचित्र पर अपनी उज्ज्वल छवि बनाने में सफलता प्राप्त की है। लेकिन अभि भी बहुत कुछ करना बाकी है। श्री गाड़ोदिया ने कहा कि सम्मेलन का ध्येय वाक्य है, म्हारो लक्ष्य राष्ट्र री प्रगति इसको सार्थक बनाने के लिए हम सबको अपना अपना दायित्व निर्वहन करना होगा। मौलिक अधिकारों के लिए मुखर होने के साथ-साथ राष्ट्रीय दायित्वों के प्रति भी सजग होना होगा, तभी हमारा राष्ट्र विकासशील की जगह विकसित राष्ट्रों की पंक्ति में खड़ा दिखेगा।

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष नंदलाल रूँगटा ने कहा कि देश की आजादी में हमारे समाज का योगदान हमेशा रहा है। आज देश की शीर्ष पदों पर मारवाड़ी समाज के बंधु बैठे हैं। चाहे उपराष्ट्रपति हो, या लोकसभा स्पीकर हो। श्री रूंगटा ने कहा कि हमारे समाज को जॉब सीकर नहीं, जॉब क्रियेटर बनना है। इससे राष्ट्र का निर्माण और तेजी से होगा।

सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भानीराम सुरेका ने कहा कि हम सबको मिलकर एकजुट होना चाहिए तभी परिवार, समाज व देश आगे बढ़ेगा।

राष्ट्रीय महामंत्री संजय हरलालका ने कहा कि आजादी तो हमें अंग्रेजो से मिल गयी पर हमें रूढ़ीवादी परम्पराओं व भ्रष्टाचार से आजादी नहीं मिली। हमें इसे बदलना होगा तभी सही मायने में हमें आजादी मिल पायेगी।

मौके पर राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष दामोदर प्रसाद बिदावतक, राष्ट्रीय संगठन मंत्री बसंत कुमार मित्तल, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री गोपाल अग्रवाल, पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री शिव कुमार लोहिया, स्वास्थ्य सेमिनार उपसमिति के चेयरमैन पवन जालान, विधिक (लीगल) उपसमिति के चेयरमैन नंदलाल सिंघानिया, सदस्यता निर्देशिका प्रकाशन उपसमिति के चेयरमैन ओम प्रकाश अग्रवाल ने भी वक्तव्य रखा।

इस मौके पर हर घर तिरंगा अभियान के तहत सदस्यों को तिरंगा वितरित किया गया। राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री सुदेश अग्रवाल ने धन्यवाद ज्ञापन किया। बैठक में सर्वश्री संजय शर्मा, अजय गुप्ता, काशी प्रसाद धेलिया, अमित मूंधड़ा, अरुण मल्लावत, रतनलाल अग्रवाल, सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

झलकियाँ

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के सदस्यों द्वारा विभिन्न प्रांतों में स्वतंत्रता दिवस पर मनाया गया आजादी का अमृत महोत्सव

केन्द्रीय कार्यालय में सम्मेलन के पदाधिकारी एवं सदस्यगण

छत्तीसगढ़ प्रा.मा.स. के अध्यक्ष श्री पूरुषोत्तम सिंघानियाँ जी, महामंत्री श्री अमर बंसलजी एवं अन्य सदस्यगण।

पूर्वोत्तर प्रा.मा.स. के बरपेटा रोड महिला शाखा द्वारा

पूर्वोत्तर प्रा.मा.स. के नगाँव शाखा के पदाधिकारी एवं सदस्यगण।

उत्कल प्रांत के अध्यक्ष श्री गोविन्द अग्रवाल, महामंत्री श्री जयदयाल अग्रवाल एवं अन्य।

उत्कल प्रांत के बरपाली शाखा और जयपटना शाखा द्वारा

उत्कल प्रांत के केसिंगा शाखा के पदाधिकारी एवं सदस्यगण

COMPLETE ELECTRICAL SOLUTION
ELECTRICAL WIRES
FANS AND LIGHTS
LT PANEL, CABLE TRAY AND TRANSFORMER
WE MANUFACTURE
POWER TRANSFORMER
DISTRIBUTION TRANSFORMER
LT ELECTRICAL PANEL
PERFORATED CABLE TRAY
LADDER-TYPE CABLE TRAY
GARODIA ENTERPRISES
AARNAV POWERTECH
MARKET ROAD EAST, UPPER BAZAR
RANCHI - 834 001, JHARKHAND
www.aarnavpowertech.com
garodia@garodiagroup.com
0651-2205996

बंगाईगांव में मारवाड़ी सम्मेलन की प्रांतीय कार्यकारिणी सभा

मारवाड़ी सम्मेलन बंगाईगांव शाखा के आतिथ्य में पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन की पंचम कार्यकारिणी की बैठक गत २४ जुलाई रविवार को बंगाईगांव में आयोजित हुई। इस बैठक में प्रांतीय कार्यकारिणी के सदस्य, स्थाई आमंत्रित सदस्य, प्रांतीय सलाहकार समिति संयोजक, मंडल की विभिन्न शाखाओं के प्रतिनिधि के अलावा अच्छी संख्या में मातृशक्ति भी उपस्थित थी। प्रांतीय अध्यक्ष ओमप्रकाश खंडेलवाल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. श्याम सुन्दर हरलालका, गाँव के अध्यक्ष प्रेमनाथ हरलालका प्रांतीय महामंत्री अशोक अग्रवाल तथा शाखा सचिव राजेश अग्रवाला ने दीप प्रज्ज्वलन करने के बाद सम्मेलन की प्रांतीय कार्यकारिणी सभा प्रारंभ हुई एवं सभा सदस्यों द्वारा इसे अनुमोदित किया गया। सभा में खड़े होकर समाज के उन व्यक्तियों को १ मिनट मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। जो गत दिनों स्वर्ग सिधारे। दीप प्रज्ज्वलन के बाद मंच पर आसीन सभी प्रांतीय पदाधिकारियों का फुलाम गामछा से अभिनंदन किया गया, जिसका संचालन शाखा की तरफ से महेश कुमार अग्रवाल ने किया। अन्य सदस्यों का पंजीकरण करते वक्त फुलाम गामछा से स्वागत किया गया। तत्पश्चात् बंगाईगांव शाखा के अध्यक्ष प्रेमनाथ हरलालका ने अपना स्वागत संबोधन रखा तथा आशा व्यक्त की कि आज की इस महत्वपूर्ण सभा में समाज हित में अहम निर्णय लिए जायेंगे। इसके बाद प्रांतीय अध्यक्ष ओम प्रकाश खंडेलवाल ने अपने अध्यक्षीय संबोधन को रखते हुए सभी को सम्मेलन से जोड़ने का आह्वान किया। प्रांतीय महामंत्री अशोक अग्रवाल ने पिछली सभा का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया सम्मेलन द्वारा ग्रंथ प्रकाशन एवं डायरेक्टरी प्रकाशन पर भी विस्तृत से चर्चा की गई, जिसमें अनेक सदस्यों ने हिस्सा लिया।

इस सभा में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. श्याम सुन्दर हरलालका पूर्व निवर्तमान प्रांतीय अध्यक्ष मधुसूदन सीकरिया विशेष तौर पर उपस्थित थे एवं सभी को अपने सारगर्भित विचारों से संबोधित किया। इसके बाद प्रांतीय अध्यक्ष ने सम्मेलन एवं समाज की छवि को और अधिक सकारात्मक बनाने हेतु सदस्यों के सुझाव आमंत्रित किए। इस परिचर्चा में उपस्थित सभी सदस्यों ने हिस्सा लिया तथा गुवाहाटी से पधारे पार्षद प्रमोद स्वामी एवं सोनारी से पधारे अनूप सिंह राजपुरोहित ने भी अपने विचार व्यक्त किए। सभा में उपस्थित मंडल की तरफ से मंडल के मंडलीय उपाध्यक्ष भैरव शर्मा उपाध्यक्ष कंचन केजरीवाल ने अपने तथा मंडल की ओर से मंडलीय मंडल के संगठन विस्तार पर विचार रखें।

प्रांतीय उपाध्यक्ष (मुख्यालय) अरुण अग्रवाल ने हाल ही में राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय महामंत्री के दौरे की रिपोर्ट प्रस्तुत की। आयोजक शाखा की ओर से तथा मंडल (जे) के प्रांतीय सहायक मंत्री सरजीत सिंह भारी ने धन्यवाद ज्ञापन किया तथा प्रांत की ओर से प्रांतीय महामंत्री अशोक अग्रवाल ने पंचम कार्यकारिणी की बैठक में उपस्थिति के लिए सभी को धन्यवाद दिया। राष्ट्रगान के साथ सभा की समाप्ति हुई। प्रांतीय बैठक को सफल बनाने में बंगाईगांव शाखा की ओर से अजीत सिंह भंसाली, राजेन्द्र हरलालका, सरजीत सिंह भारी, गोपाल किशोर कुमार जैन, महेश कुमार हरलालका, राजकुमार कोठारी, अशोक सुरेका, राम अवतार पारीक एवं अभिषेक माहेश्वरी ने अहम भूमिका निभाई। शाखा सचिव राजेश अग्रवाला ने सभा को सफल बनाने के लिए सभी सदस्यों को धन्यवाद दिया।

अंध विश्वास की जड़

एक थे पंडित जी! नाम था सज्जन प्रसाद। सज्जन, सदाचारी भी थे और ईश्वर भक्त भी, किन्तु धर्म का कोई विज्ञान सम्मत स्वरूप भी है, यह वे न जानते थे।

प्रतिदिन प्रातःकाल पूजा समाप्त करके पंडित जी शंख बजाते। वह आवाज सुनते ही पड़ोस का गधा किसी गोत्रबंधु की आवाज समझकर स्वयं भी रेंक उठता। पंडित जी प्रसन्न हो उठते कि ये गधा जरूर कोई पूर्व जन्म का महान तपस्वी और भक्त है।

एक दिन गधा नहीं चिल्लाया, पंडित जी ने पता लगाया मालूम हुआ कि गधा मर गया। गधे के सम्मान में उन्होंने अपना सिर घुटाया और विधिवत तर्पण किया।

शाम को वे बनिए की दुकान पर गए। बनिये को शक हुआ..."महाराज! आज सह सिर घुटमुंड कैसा?" 'अरे! भाई शंखराज की इहलीला समाप्त हो गई है। बनिया पंडित का यजमान था, उसने भी अपना सर घुटा लिया। बात जहाँ तक फैलती गई, लोग अपने सिर घुटाते गए। छूत बड़ी खराब होती है।'

एक सिपाही बनिये के यहाँ आया। उसने तमाम गाँव वालों को सर मुड़ाए देखा, पता चला शंखराज जी महाराज नहीं रहे, तो उसने भी सिर घुटाया। धीरे-धीरे सारी फौज सिर-सपाट हो गई।

अफसरों को बड़ी हैरानी हुई। उन्होंने पूछा - "भाई बात क्या हुई। पता लगाते लगाते पंडित जी के बयान तक पहुँचे और जब मालूम हुआ कि शंखराज कोई गधा था, तो मारे शरम के सबके चेहरे झुक गए।"

एक अफसर ने सैनिकों से कहा - "ऐसे अनेक अंधविश्वास समाज में केवल इसलिए फैले हैं कि उनके मूल का ही पता नहीं है। धर्म परंपरावादी नहीं, सत्य की प्रतिष्ठा के लिए है, वह सुधार और समन्वय का मार्ग है, उसे ही मानना चाहिए।"

होजाईः मारवाड़ी संस्थाओं ने किया वैक्सीनेशन कैंप

होजाई जिले के मारवाड़ी संस्थानों ने जिला स्वास्थ्य विभाग के साथ मिल कर होजाई में २४ जुलाई २०२२ को एक वैक्सीनेशन शिविर का आयोजन किया। शिविर में कुल २२१ लोगों को कोविड बूस्टर डोज दिया गया। गौरतलब है कि आजादी के अमृत उत्सव के मद्देनजर जिला स्वास्थ्य विभाग के साथ मारवाड़ी पंचायत, मारवाड़ी सम्मेलन, मारवाड़ी महिला सम्मेलन व मारवाड़ी युवा मंच के तत्वावधान में वैक्सीनेशन शिविर का आयोजन श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर के श्री राम सदन में किया गया। मौके पर मारवाड़ी संस्थाओं के सदस्यों ने भरपूर सहयोग किया। स्थानीय लोगों ने संस्था के सदस्यों से गुजारिश की कि वह ऐसे शिविर लगाते रहें।

गुवाहाटी शाखा ने मनाया आजादी का अमृत महोत्सव

देश की आजादी की ७५वीं वर्षगाँठ के मौके पर मारवाड़ी सम्मेलन की गुवाहाटी शाखा की ओर से आजादी का अमृत महोत्सव मनाया गया। श्रद्धांजली मॉल स्थित मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाटी शाखा के कार्यालय में रविवार को शाखाध्यक्ष सुशील गोयल की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूप्रामास के प्रांतीय अध्यक्ष ओमप्रकाश खंडेलवाल, विशिष्ट अतिथि के रूप में १६ नं. वार्ड से पार्षद प्रमोद स्वामी, सम्मेलन कामरूप शाखा के अध्यक्ष विनोद लोहिया, महिला शाखा की अध्यक्ष कंचन केजरीवाल आदि मौजूद थे।

गुवाहाटी शाखा के कार्यकारी अध्यक्ष प्रदीप भुवालका ने बताया कि इस दौरान मुख्य अतिथि खंडेलवाल सहित अन्य अतिथियों ने तिरंगा फहराया एवं सामूहिक रूप से सभी ने राष्ट्रीय गान गाया। कार्यक्रम संयोजक गौतम शर्मा व माखन लाल अग्रवाल ने बताया कि इस दौरान सभी अतिथियों ने आजादी के अमृत महोत्सव से संबंधित अपनी अपनी भावनाएँ प्रकट की। उपाध्यक्ष रमेश चांडक ने बताया कि कार्यक्रम का संचालन सचिव शंकर बिड़ला ने किया। कोषाध्यक्ष सूरज सिंघानिया ने बताया कि कार्यक्रम में गुवाहाटी शाखा के सभी सदस्यों ने हिस्सा लिया।

मारवाड़ी सम्मेलन बरपेटा रोड महिला शाखा ने स्वतंत्रता दिवस मनाया

आजादी के अमृत महोत्सव व स्वतंत्रता दिवस की ७५वीं वर्षगाँठ पर आज मारवाड़ी सम्मेलन बरपेटा रोड महिला शाखा ने श्री हिंदी हाई स्कूल में टीचर और बच्चों के साथ स्वतंत्रता दिवस मनाया। झंडा फहराने के बाद हमारी समिति की अध्यक्षा ईस्मिता शर्मा, सचिव कविता खेमका, कार्यकारिणी सदस्या सीता देवी हरलालका एवं उपाध्यक्ष सविता जाजोदिया के आजादी पर अपने भाव व्यक्त किए। स्कूल के टीचर ने अपना वक्तव्य रखा और बच्चों ने कविता पाठ किया। शाखा की सभी बहनों ने देश भक्ति गीत से पूरे माहौल को देश भक्ति में रंग दिया। इसके उपरांत सविता जाजोदिया एवं सविता जैन द्वारा बच्चों को गेम खेलाए एवं इस्मिता शर्मा द्वारा बच्चों में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता की गई। विजेता बच्चों को पुरस्कृत किया गया इसके साथ ही उपस्थित सभी बच्चों में उपहार वितरित किए गए। सभी टीचर और बच्चों को स्वतंत्रता दिवस की खुशी मनाते हुए शाखा द्वारा मिठाई बाटी गई। अध्यक्षा ईस्मिता शर्मा, सचिव कविता खेमका, कार्यकारिणी सदस्य सीता देवी हरलालका, उपाध्यक्ष विजय लक्ष्मी बोथरा, उपाध्यक्ष सविता जाजोदिया, सह सचिव सविता जैन, सदस्य अलका मोर, लक्ष्मी शर्मा, सुमित्रा जैन,सरोज अग्रवाल, रिंकू खेमका, विनीता अग्रवाल, शीला अग्रवाल, कमलेश सिंघल, तारा सोनी, स्वीटी जैन, किरण सोनी सभी ने बड़े हर्षोल्लास से आजादी का अमृत महोत्सव मनाया।

स्वतंत्रता दिवस पर चित्रांकन प्रतियोगिता

मारवाड़ी सम्मेलन, जोरहाट शाखा और अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन, जोरहाट शाखा के तत्वाधान में कल्याणपुर हरिजन कॉलोनी में प्रातः १० बजे फल वितरण बहुत ही अच्छे तरह से सभी के सहयोग से संपन्न किए गए। कार्यक्रम में मेरे साथ मंत्री नागर रतावा, राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल, चंचल कुंडलिया, राजेश घीया, राजेन्द्र प्रसाद पारीक, कन्हैया लाल हरलालका, रमेश राठी, रामप्रसाद बेरिया, अंकुर गुप्ता ने उपस्थित रहकर सहयोग किया। इनके साथ सुमन भरेचा, संतोष मोदी सहित कई महिलाओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई तथा कार्यक्रम में हिस्सा लिया। मंत्री नागर रतावं के साथ स्थानीय लोगों ने देशप्रेम के गीतों के साथ ७६वें स्वतंत्रता दिवस का पालन किया।

मारवाड़ी सम्मेलन, जोरहाट शाखा और ब्राह्मण महिला समिति द्वारा स्वतंत्रता दिवस पर आयोजित चित्रांकन प्रतियोगिता आयोजित किया गया। मारवाड़ी सम्मेलन से श्रीमती कांति करनानी और श्रीमती विमला भट्टर तथा ब्राह्मण महिला समिति से श्रीमती हेमा शर्मा और शालू खंडेलवाल वर्ग ए (कक्षा नर्सरी से क्लास-२) में २२ बच्चों में कुमारी सानवी दास ने प्रथम, रूहिका यादव ने द्वितीय तथा सानवी पाल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वर्ग बी (कक्षा ३ से कक्षा ६) में २५ बच्चों में पलक जैन ने प्रथम, दिया दत्ता ने द्वितीय तथा निहारिका सरकार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वर्ग सी (कक्षा ७ से १०) में नैतिक भिलवाड़िया ने प्रथम तथा रितिका राय ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। सबसे पहले दोनों जज श्री चिरंजीव घोष और श्रीमती रीमा दत्ता को फुलाम गामछा से सम्मान किया गया और विजेताओं को ट्राफी दी गई। तथा सभी बच्चों में सर्टिफिकेट का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान भी मेरे साथ नागर रतावा, राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल, चंचल कुंडलिया और रमेश राठी ने उपस्थित रहकर सहयोग किया।

विद्यार्थी अभिनंदन कार्यक्रम मुख्य अतिथि डॉ. इंद्र प्रसाद साहेवाला थे। इस कार्यक्रम में उपस्थित अभिभावकों के साथ ही बच्चों से संवाद बहुत ही खूबसूरत रहा। अध्यक्ष अनिल केजड़ीवाल के साथ प्रांतीय उपाध्यक्ष (मंडल ख) श्री राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य श्री बाबूलाल गग्गड़, मुख्य अतिथि डॉ. इंद्र प्रसाद साहेवाल तथा मंत्री नागर रतावा मंचासिन थे। फुलाम गामछा से अतिथियों के स्वागत के बाद अध्यक्ष अनिल केजड़ीवाल द्वारा स्वागत संबोधन किया गया। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है छात्रों का प्रोत्साहन बढ़ाना ताकि दूसरे बच्चों को भी प्रेरणा मिले। सभा को मुख्य अतिथि डॉ. इंद्रप्रसाद साहेवाला, बाबुलाल गग्गड़, राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल, अंकुर गुप्ता, श्रीमती सरिता दुग्गड़ ने भी संबोधित किया। सभी छात्रों को मेमेंटो तता प्रदान किया गया। छात्रों का उत्साह देखते ही बनता था। छात्रों से संवाद भी किया गया तथा उन्होंने भी अपनी पढ़ाई, भविष्य की योजना आदि पर अपने विचार रखे।

प्रादेशिक समाचार : पूर्वोत्तर

मारवाड़ी सम्मेलन एवं मारवाड़ी युवा मंच का प्रतिभा सम्मान

मारवाड़ी सम्मेलन, मारवाड़ी सम्मेलन महिला शाखा एवं मारवाड़ी युवा मंच ने संयुक्त रूप से विगत दिनों घोषित हुए दसवीं और बारहवीं के तैतालीस मेधावी छात्रों को प्रोत्साहन पूर्वक सम्मानित किया गया। यह समारोह स्थानीय श्री राधाकृष्ण ठाकुरबाड़ी में गत रविवार को संपन्न हुआ। व्यक्ति विकास एवं सामाजिक विकास के लिए संकल्पित मारवाड़ी समाज की प्रतिनिधि संस्थाओं द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में समाज के विद्यार्थियों को प्रेरणा प्रदान करने हेतु प्रतिभा सम्मान समारोह का सुंदर आयोजन किया गया। प्रतिभा सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि शिक्षाविद् राम अवतार माहेश्वरी एवं मुख्य वक्ता प्रोफेसर जवाहर लाल नाहटा को सम्मानित किया गया। मारवाड़ी सम्मेलन बरपेटा रोड शाखा के सभापति सुरेश चौधरी, महिला शाखा अध्यक्षा स्मिता शर्मा, मंच शाखाध्यक्ष लक्ष्मीकांत माहेश्वरी, मारवाड़ी सम्मेलन की प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्या सीतादेवी हरलालका, मारवाड़ी युवा मंच के प्रांतीय सहमंत्री रवि प्रकाश अग्रवाल, राधाकृष्ण ठाकुरवाड़ी से शिवरतन माहेश्वरी, दिगंबर जैन समाज से निर्मल जैन, तेरापंथ सभा से सुबाहु कुमार डागा, सरभोग के समाज सेवी हरिकिशन माहेश्वरी ने मंच पर आसन ग्रहण किया। सभी आमंत्रित अतिथियों, समाजबंधुओं एवं शिक्षा गुरुजनों ने प्रेरणादायक ऊर्जामयी संबोधन? प्रस्तुत कर विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। विद्यार्थियों ने भी समाज की संस्थाओं को प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित करने हेतु धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम का सुसंचालन मुकेश चाचन ने किया। विद्यार्थियों का सम्मान मंच सदस्य अंजनी कुमार जाजोदिया एवं सम्मेलन महिला शाखा से कविता खेमका और कुसुम बंग ने सुंदर तरीके से करवाया। शिक्षाविद् महेश केडिया ने समाज की तीनों प्रमुख संस्थाओं को एक पटल पर संयुक्त कार्यक्रम करने हेतु आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी मारवाड़ी सम्मेलन बरपेटा रोड शाखा के सचिव प्रमोद अग्रवाल ने दी।

प्रादेशिक समाचार : प. बंग

हावड़ाः सावन उत्सव आयोजित

पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन, हावड़ा शाखा की ओर से रंगोली बिका बैक्वेट में सावन उत्सव का आयोजन किया गया। इस आयोजन में प्रमुख अतिथि के रूप में समाजसेवी श्रीमती रश्मि जी गोयल, अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन से श्री दामोदर जी विदावतका, पश्चिम बंग से श्री शिव कुमार जी अग्रवाल, श्री वेद प्रकाश जी जोशी, श्री संजय जी शर्मा और हावड़ा शाखा के अध्यक्ष श्री शंभू जी मोदी, महासचिव श्री किशन किला जी, संगठन मंत्री श्री संदीप जी चौधरी, सह संगठन मंत्री, श्रीमती कुसुम मोदी, सह संगठन मंत्री श्री चंद्रप्रकाश फिटकरीवाला जी उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में प्रमुख संयोजिका कुसुम मोदी, लक्ष्मी मरदा, इंदिरा अग्रवाल, रेनू सिंह, रितु अग्रवाल, रितु सराफ, शशि अग्रवाल, वंदना फिटकरीवाल, रिंकी गुप्ता मौजूद थी। इस रंगीलो सावन उत्सव का कार्यक्रम बड़ा शानदार था, अनेक महिलाओं

ने भाग लिया, बिका की चटपटी डिश का आनंद लिया। साथ में खेल प्रतियोगिता, राजस्थानी डांस प्रतियोगिता में महिलाओं ने भाग लिया। रंगीलो सावन आयो रंग सा आंगनिया, सही में महिलाओं ने राजस्थानी वेशभूषा में इस कार्यक्रम को रंगारंग बना दिया ऐसा लग रहा था जैसे कोई राजस्थान हो।

Apollo
TOUCHING LIVES

Certificate No. : M-0342
NABL Accredited

Apollo Clinic
Expertise. Closer to you.

P-72, Prince Anwar Shah Road, Opp. South City Mall, Kolkata-700 045
Tel. : 4021-2525-55, E-mail : pashahroad@theapolloclinic.com

SERVICES AT A GLANCE

- **Laboratory Services - Advanced Automatic Equipments**
- **Radiology**
  - MRI / CT / Scan | - Digital X-Ray
  - Ultrasonography | - Colour Doppler Study
- **Cardiology**
  - ECG | - Echo-Cardiography
  - Echo-Colour Doppler | - Holter Monitoring
  - Treadmill Test (TMT)
- **Wide Range of Pathology**
- **Pulmonary Function Test**
- **UGI Endoscopy / Colonoscopy**
- **Physiotherapy**
- **EEC / EMG / NCV**
- **General & Cosmetic Dentistry**
- **Elder Care Service**
- **Sleep Study (PSG)**
- **EYE / ENT Care Clinic**
- **Gynae and Obstetric Care Clinic**
- **Haematolgy Clinic**
- **Personalised Care (Injection, Dressing, ECG etc.) at your doorstep**
- **Health Check-up Packages**
- **Online Reporting**
- **Report Delivery**

Home Blood Collection

(033) 4021-2525, 97481-22475

98301 96659

Consultation I Diagnostics I Dentistry I Health Checks

Yours Tastefully
Anmol
हर पल अनमोल
हर घर अनमोल
www.anmolindustries.com | Follow us on:

झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन की आम सभा संपन्न

श्री बसंत कुमार मित्तल आगामी सत्र के लिये अध्यक्ष निर्वाचित

दिनांक २४ जुलाई २०२२ को प्रातः ११ बजे हरमू रोड स्थित मारवाड़ी भवन के सभागार में झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन की आमसभा आयोजित की गई। जिसमें राँची जिला, बोकारो जिला, धनबाद जिला, पूर्वी सिंहभूम जिला, पेटरवा शाखा के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

सर्वप्रथम प्रांतीय महामंत्री श्री पवन शर्मा ने प्रांतीय अध्यक्ष श्री ओम प्रकाश अग्रवाल सहित निवर्तमान अध्यक्ष, प्रांतीय उपाध्यक्ष प्रांतीय संयुक्त महामंत्री, प्रांतीय कोषाध्यक्ष एवं समंवयक को आसन ग्रहण करवाया। आम सभा में आये हुए सभी प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए अध्यक्ष श्री ओमप्रकाश अग्रवाल ने कहा कि आप सभी ने मेरे कार्यकाल में संगठन विस्तार, शिक्षा, चिकित्सा, एवं समाजिक सेवा के क्षेत्र में कई कार्य हुए। इन सभी कार्यों का श्रेय आप सभी जिला अध्यक्षगण, जिला महामंत्रीगण एवं संगठन के सभी सदस्यों को जाता है। आप सभी प्रांतीय पदाधिकारियों ने मेरे साथ कंधा से कंधा मिलाकर कार्य किया। इसके लिये आप सभी को साधुवाद है।

कोविड जैसी महामारी में समाजबंधुओं द्वारा किये गए कार्यों की मैं भूरी भूरी प्रशंसा करता हूँ। आप सभी के कारण हमने एक आयाम स्थापित किया है।

प्रांतीय महामंत्री श्री पवन शर्मा ने गत बैठक की कार्यवाही को पढ़कर सुनाया जिससे सभा ने पारित किया। प्रांतीय महामंत्री ने अपना वार्षिक प्रतिवेदन दिया। जिसकी सभी ने प्रशंसा की। ऑडिटेड आय व्यय का ब्यौरा प्रांतीय कोषाध्यक्ष श्री संजय जैन ने सभा के समक्ष रखा। जिसे पारित किया गया। आगामी ३१ जुलाई २०२२ को प्रांतीय अध्यक्ष के लिये होने वाले चुनाव की जानकारी हेतु मुख्य चुनाव पदाधिकारी श्री विनोद जैन एवं चुनाव पदाधिकारी कमल केडिया व मनोज बजाज ने संयुक्त रूप से कहा कि प्रांत के ६ प्रमंडल के साथ ७ जगहों सहित कुल १३ जगहों पर चुनाव होने हैं, जिनमें जमशेदपुर से श्री अशोक कुमार भालोटिया एवं राँची से श्री बसंत कुमार मित्तल है चुनाव मैदान में हैं। दोनों प्रत्याशियों को २ मिनट में अपने विचार प्रकट करने का समय दिया गया।

प्रांतीय महामंत्री श्री पवन शर्मा ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि मैं प्रांतीय अध्यक्ष का विशेष आभारी हूँ कि इन्होंने मेरा चयन इतने बड़े पद पर किया। साथ ही साथ मैं सभी पदाधिकारियों का भी आभारी हूँ कि आप सभी का सहयोग समय समय पर मिलता रहा। मेरे से कोई भी त्रुटि हुई हो तो मैं इसके लिए माफी मांगता हूँ।

प्रांतीय अध्यक्ष जी ने अपने कार्यकाल में किये गए कार्यों हेतु सम्मान का वितरण किया। संगठन विस्तार सम्मान में राँची जिला, पूर्वी सिंहभूम जिला, पश्चमी सिंहभूम जिला, सरायकेला जिला, हजारीबाग जिला, दुमका जिला, धनबाद जिला, देवघर जिला, कोडरमा जिला, बोकारो जिला, गिरिडीह जिला को प्रतीक चिन्ह दिया। महिला सदस्यता विस्तार सम्मान से पश्चमी सिंहभूम जिला एवं हजारीबाग जिला को सम्मान से नवाजा। शाखा विस्तार सम्मान से पूर्वी सिंहभूम जिला को सम्मानित किया। राष्ट्रीय प्रकल्प सम्मान से राँची जिला एवं पूर्वी सिंहभूम जिला को सम्मानित किया। निरन्तर कार्यक्रम सम्मान से श्री अशोक मोदी अध्यक्ष पूर्वी सिंहभूम जिला एवं श्री सुमेरसेठी अध्यक्ष हजारीबाग जिला को सम्मानित किया। प्रोत्साहन सम्मान से खूंटी जिला, गुमला जिला, लोहरदगा जिला, सिमडेगा जिला, रामगढ़ जिला, पलामू जिला को सम्मानित किया गया। इसी कड़ी में प्रमंडलीय उपाध्यक्ष श्री किशोर मंत्री, श्री गोविंद मेवाड़, श्री शम्भूनाथ अग्रवाल, श्री विनोद महलका, श्री प्रदीप बाजला, श्री अनिल मुरारका को प्रोत्साहन सम्मान से सम्मानित किया गया। उत्कृष्ट सेवा सम्मान से श्री प्रमोद अग्रवाल एवं श्री पुरुषोत्तम विजयवर्गीय को सम्मानित किया। अध्यक्ष प्रोत्साहन सम्मान से प्रांतीय महामंत्री श्री पवन शर्मा, प्रांतीय उपाध्यक्ष श्री अशोक भालोटिया, श्री कमल केडिया, श्री उमेश शाह, श्री विनोद जैन, प्रांतीय कोषाध्यक्ष श्री संजय जैन, समन्वयक श्री सुरेन्द्र कुमार अग्रवाल, प्रांतीय संयुक्त महामंत्री श्री बजरंग लाल अग्रवाल, श्री मनोज बजाज, श्री कौशल राजगढ़िया, श्री विष्णु प्रसाद, प्रांतीय अंकक्षक श्री विवेक चौधरी को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष भागचंद पोद्दार, विनय सरावगी, राजकुमार केडिया, राँची जिला अध्यक्ष सुरेशचंद अग्रवाल, जिलामंत्री ललितकुमार पोद्दार, रविशंकर शर्मा अन्य प्रबुद्ध गणमान्य उपस्थित थे।

अंत में १ अगस्त २०२२ तक के लिए आमसभा को स्थगित किया गया।

झारखंड प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के नव निर्वाचित अध्यक्ष : श्री बसंत कुमार मित्तल

संक्षिप्त परिचय

श्री बसंत कुमार मित्तल का जन्म ८ मई १९६७ को बिहार के हजारीबाग जिले के रामगढ़ के एक सम्पन्न परिवार में हुआ था। इनके पिता श्री राधेश्याम मित्तल है। आपने बी.ए. (आनर्स) एवं एल.एल.बी. की पढ़ाई की है आपका पैतृक गाँव राजस्थान के सीकर जिले में दाँता, रामगढ़ है।

आप ३५ वर्षों से समाजसेवी के रूप में अनेकों संस्थानों एवं राजनैतिक संगठनों से जुड़े हुये हैं और उनके विभिन्न पदों को सुशोभित भी किया है।

आप सम्मेलन में सर्वप्रथम झारखंड के रामगढ़ शाखा के अध्यक्ष के पद पर आसिन हुये (१९९०-२०००), विभागीयमंत्री (२००२-२००७), प्रमंडलीय मंत्री (२००७-२००९), संयुक्त महामंत्री (२००९-२०११), प्रांतीय महामंत्री (२०१२-२०१७) एवं केन्द्र में राष्ट्रीय संयोजक सदस्यता एवं संगठन विस्तार उपसमिति (२०१८-२०२०) जिसके तहत दक्षिण के प्रांतों में संगठन के विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी एवं वर्तमान में राष्ट्रीय संगठन मंत्री (२०२०-२०२२) के पद पर है। (हाल ही में श्री बसंत कुमार मित्तल झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के नवनिर्वाचित अध्यक्ष चुने गये हैं)

श्री बसंत कुमार मित्तल ने मारवाड़ी समाज के अलावा अन्य सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक, व्यवसायिक एवं राजनैतिक पदों का निर्वहन किया है। मुख्यतः राष्ट्रीय उपमंत्री, अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन, राष्ट्रीय संगठन महामंत्री अखिल भारतीय गौशाला संघ, राँची की प्रसिद्ध संस्था मारवाड़ी सहायक समिति के संयोजक भी रहे हैं। राजनैतिक संगठनों में जिला उपाध्यक्ष, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् वार्ड पार्षद रामगढ़ छावनी परिषद, भारतीय जनता युवा मोर्चा के पूर्व प्रदेश कोषाध्यक्ष, पूर्व भाजपा प्रदेश के कार्य समिति के सदस्य एवं झारखंड मुक्ति मोर्चा के पूर्व केन्द्रीय समिति के सदस्य भी रहे हैं।

धर्मपत्नी श्रीमती ऋतु मित्तल जी एवं पुत्र सिद्धार्थ शंकर मित्तल एवं पुत्री वंशिका मित्तल के साथ आप राँची में निवास करते हैं।

स्वास्थ्य ही धन है

इलायची

मुख्यतः इलायची छोटी और बड़ी होती है।

★ जानिये छोटी इलायची के विषय में, जिसे संस्कृत में एला भी कहते हैं।

★ यह हमारे देश तथा इसके आस पास के गर्म देशों में अधिक मात्रा में पायी जाती है।

★ इसके पेड़ हल्दी के पेड़ के सामान होते हैं।

★ इलायची स्वादिष्ट होती है और आमतौर पर इसका प्रयोग खाने के पदार्थों में किया जाता है।

★ छोटी इलायची खाने में शीतल होती है और इसका अधिक मात्रा में उपयोग आँतों के लिए हानिकारक होता है।

★ इसका सेवन १-३ ग्राम की मात्रा में किया जा सकता है।

★ यह कफ, खांसी, श्वास व बवासीर नाशक है और हृदय एवं गले की मलिनता को दूर करती है।

★ इसे खाने से मुख की दुर्गन्ध दूर होती है और जी मिचलाना बंद हो जाता है।

★ इलायची का प्रयोग हम विभिन्न रोगों के उपचार के लिए कर सकते हैं –

१. लगभग १० ग्राम इलायची को १ लीटर पानी में डालकर पकाएं, जब एक चौथाई (250 ग्राम) शेष रह जाए तब उसे उतारकर ठंडा कर लें। इस पानी को थड़ी थोड़ी देर में घूँट-घूँट करके पीने से, हैजा व मूत्रावरोध रोगों में लाभ होता है।

२. छोटी इलायची के दानों को तवे पर भून कर पीस लें। इस चूर्ण को शहद या देसी घी में मिलाकर सुबह शाम चाटने से खांसी में लाभ होता है।

३. दिन में कई बार इलायची चबाने से मूँह की दुर्गन्ध व सांस की बदबू ख़त्म होती है।

४. इलायची को पानी के साथ पीसकर सिर पर लेप की तरह लगाने से सिर दर्द दूर हो जाता है।

५. इलायची, काली मिर्च, दालचीनी, धनिया और सौंठ को बराबर मात्रा में लेकर इनको दरदरा पीस लें। इस चूर्ण की दो चम्मच लेकर 250 मिलीलीटर पानी में पकाएं। जब पानी आधा रह जाए तो छानकर गुनगुना पिलायें। इससे तेज़ जुकाम दूर हो जाता है।

६. छोटी इलायची को पीस लें। इस चूर्ण को शहद के साथ थोड़ा-थोड़ा चाटने से पेशाब की जलन शांत होती है।

सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामयाः

छात्रों, राजनीतिज्ञों का हुआ सम्मान जारी रहा संगठन यात्रा अभियान

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के द्वारा समाज परिक्रमा अभियान के अंतर्गत इस माह बेगूसराय, मुंगेर, बरियारपुर, असरगंज, तारापुर, संग्रामपुर, हवेली खड़गपुर, जमालपुर, सूर्यगढ़ा, लखीसराय, बड़हिया, रानीगंज, गया और जहानाबाद शाखाओं की संगठन यात्रा संपन्न हुई। इस दौरान सैकड़ो समाज बंधुओं से मिलकर उन्हें सम्मेलन के द्वारा संचालित कार्यक्रमों और योजनाओं की जानकारी दी और संगठन से उनकी अपेक्षाओं को समझा।

सीए की परीक्षा का परिणाम निकलते ही प्रांत के द्वारा प्रतिभा पर्व सीजन टू घोषित किया गया जिसके अंतर्गत पट ना, नवगछिया, मोतिहारी, दरभंगा, बेगूसराय, मुजफ्फरपुर सहित अनेक शाखाओं ने अपने क्षेत्र के सफल प्रतिभागियों को सम्मानित किया।

माह के अंत में राजस्थान से आए करीब एक दर्जन राजनैतिक हस्तियों का सम्मान समारोह सम्मेलन भवन में किया

गया जिसमें भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह, जोधपुर के शैला राम सारण, पूर्णिमा के विजय खेमका एवं अन्य शामिल थे।

आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत सत्तर से अधिक शाखाओं के द्वारा ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किए जाने की जानकारी मिली। विशेष रूप से बेगूसराय शाखा के द्वारा स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर आयोजित मैराथन, जिसमें सैकड़ों लोगों ने भाग लिया, और दूसरे दिन आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा पटना शाखा का मेगा रक्तदान शिविर उल्लेखनीय है। इसके साथ ही बेतिया, गोपालगंज, पुपरी आदि शाखाओं ने भी हर घर तिरंगा, घर घर तिरंगा एवं अन्य कार्यक्रम आयोजित किए।

ग्रामीण क्षेत्र की हसनपुर शाखा ने स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर रक्तदान शिविर के साथ ही वरीय उपाध्यक्ष नीरज खेड़िया की प्रेरणा से एक दिन में इक्यावन आजीवन सदस्य बनाकर इस सत्र में एक रिकार्ड कायम किया।

सावन का महीना होने के कारण मुजफ्फरपुर और पुपरी शाखाओं के द्वारा विशाल कांवड़िया सेवा शिविर लगाया गया। महावीरी अखाड़ा में बेतिया शाखा ने राहत और सेवा केन्द्र स्थापित किया। दरभंगा शाखा ने रक्षाबंधन के अवसर पर भारत रक्षा पर्व के अंतर्गत शहर में स्थापित महापुरुषों की प्रतिमाओं को रक्षा सूत्र बांधा। मधेपुरा और बेगूसराय शाखाओं ने रक्त जाँच और रक्तदान शिविर आयोजित किया।

शारदा महोत्सव - प्रतिभा सम्मान समारोह

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के द्वारा कोरोना की पाबंदियों के कारण दो वर्ष के अंतराल के बाद २१ अगस्त २०२२ को अपने वार्षिक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

स्थानीय बिहार चैंबर ऑफ कॉमर्स के प्रेक्षागृह में "शारदा महोत्सव-प्रतिभा सम्मान समारोह" के अंतर्गत इस वर्ष माध्यमिक, सीए, सीएस, एमबीए, एमबीबीएस, आईआईटी, आईआईएम, यूपीएससी, बीपीएससी जैसी परीक्षाओं में उत्कृष्ट सफलता प्राप्त करने वाले मारवाड़ी समाज के लगभग २०० छात्र-छात्राओं को गोल्ड मेडल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

प्रदेश की पटना, पटना सिटी, मुजफ्फरपुर, सीतामढ़ी, दरभंगा, निर्मली, खगड़िया, सुपौल, समस्तीपुर, सहरसा, गया, बेगूसराय, मोतीपुर, मोतिहारी, जमुई, भगवानपुर, भागलपुर, अररिया, फारबिसगंज आदि विभिन्न शाखाओं से छात्र-छात्राएँ अपने अभिभावकों एवं शिक्षकों के साथ शामिल हुए।

इसी कार्यक्रम के साथ देशभक्ति गीतों पर आधारित "समूह नृत्य प्रतियोगिता-ये देश है मेरा" भी आयोजित की गई जिसमें पटना, पटना सिटी, नवगछिया, दरभंगा आदि शाखाओं की टीमों ने आजादी के ७५वें अमृत महोत्सव को मंच पर साकार करते हुए ऐसी-ऐसी बेहतरीन प्रस्तुतियाँ दी जिन्हें देख कर उपस्थित जनसमुदाय मंत्रमुग्ध रह गया। अभिनय, वेशभूषा और भावना का उत्कृष्ट संयोजन इन प्रस्तुतियों में स्पष्ट दिखाई दिया।

समारोह में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री पवन कुमार सुरेका, राष्ट्रीय महामंत्री श्री संजय हरलालका, राष्ट्रीय संगठन मंत्री एवं झारखंड के नव निर्वाचित प्रादेशिक अध्यक्ष श्री बसंत मित्तल, उत्कल प्रादेशिक अध्यक्ष श्री गोविंद अग्रवाल, सूचना तकनीक एवं वेबसाईट उपसमिति के चेयरमैन श्री कैलाशपति तोदी, पटना विश्वविद्यालय के कुलपति श्री गिरीश कुमार चौधरी, सुपर थर्टी के संस्थापक एवं बिहार के पूर्व पुलिस महानिदेशक शिक्षाविद श्री अभयानंद, बिहार सरकार के शिक्षा विभाग के सलाहकार श्री नवीन कुमार अग्रवाल, दरभंगा के विधायक श्री संजय सरावगी, विधान परिषद सदस्य श्री ललन कुमार सर्राफ, निर्णायक मंडल के सदस्य श्री नीलेश्वर मिश्र और सुश्री यामिनी सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित हुए।

कार्यक्रम में श्री विजय कुमार किशोरपुरिया, श्री रमेशचंद्र गुप्ता, श्री राधेश्याम बंसल और प्रतिभा सम्मान समारोह के संयोजक श्री आशीष आदर्श का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। मंच संचालन समूह नृत्य प्रतियोगिता के संयोजक श्री अंजनी सुरेका ने किया। धन्यवाद ज्ञापन महामंत्री योगेश तुलस्यान और अतिथि सुविधा व्यवस्था कोषाध्यक्ष सीए विजय मस्करा के द्वारा की गई।

वरीय उपाध्यक्ष राजेश बजाज द्वारा की गई सभा स्थल की साज-सज्जा और शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिए बनाया गया मंडप विशेष रूप से उल्लेखनीय रहा। रणदीप झुनझुनवाला ने अतिथियों के भोजन और आवास की व्यवस्था की। पटना नगर शाखा के अध्यक्ष श्री शशि गोयल और मंत्री सुनील मोर की पूरी टीम ने सारी व्यवस्था संभाली।

प्रादेशिक समाचार : उत्कल

बरपाली शाखा का शपथ ग्रहण समारोह

मारवाड़ी सम्मेलन बरपाली शाखा की ओर से केडी भवन में आगमी सत्र के लिए नव-निर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न हुआ। आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ओडिशा सरकार की हस्तकरघा मंत्री श्रीमती रीता साहू ने योगदान कर मारवाड़ी समाज की ओर से किए जा रहे सामाजिक कार्यों की प्रशंसा की। सम्मानित अतिथि के तौर पर बरपाली नगरपालिका के अध्यक्ष दिनेश गाहिर, प्रांतीय उपाध्यक्ष दिनेश अग्रवाल, मंडल उपाध्यक्ष किशन लाल अग्रवाल व मुख्य वक्ता के रूप में ओडिशा प्रदेश के प्रांतीय अध्यक्ष गोविंद अग्रवाल ने उपस्थित रहकर गर्मजोशी के साथ अपने उद्‌बोधन में कहा कि समाज को संगठित करने के लिए युवा मंच, महिला समिति के साथ मिलकर पूरे प्रदेश में सेवाकार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रांत स्तर पर नेत्र चिकित्सा मोबाइल वैन के जरिए सभी नेत्र रोगियों को नि:शुल्क चिकित्सा व चश्मा प्रदान किया जाएगा। प्रांत की ओर से अगर कोई शाखा डेड बॉडी वैन लाना चाहता है तो प्रांत की ओर से करीब ३ लाख रुपये की सहयोग राशि प्रदान की जाएगी। समाज के मेधावी छात्रों के लिए शिक्षा कोष की जानकारी भी प्रदान की। कार्यक्रम का संचालन शाखा सचिव अनिल अग्रवाल ने किया। आगामी सत्र के लिए प्रदीप अग्रवाल को अध्यक्ष, चंदन अग्रवाल को सचिव व सुनील अग्रवाल को कोषध्यक्ष पद हेतु प्रांतीय उपाध्यक्ष दिनेश अग्रवाल ने शपथ पाठ करवाया। इस अवसर पर मारवाड़ी महिला समिति को भी आगामी सत्र के लिए नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शपथ पाठ कराया गया। पूर्व शाखा अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल ने स्वागत भाषण दिया एवं उनके कार्यकाल में संपादित कार्यों का विवरण सचिव द्वारा दिया गया। मंच पर आसीन बरपाली शाखा के वरिष्ठ सदस्य तथा बरपाली शाखा के स्तंभ श्री मोती लाल अग्रवाल ने अपने सारगर्भित भाषण में सभी को विशेष सहयोग करने का अनुरोध किया। कार्यक्रम के अंत में सचिव चंदन अग्रवाल ने धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम को मुख्य रूप से बिनोद अग्रवाल ने सहयोग किया। इस अवसर पर समाज के प्रतिभाशाली व्यक्तियों का सम्मान भी किया गया। सभा का समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया।

प्रादेशिक समाचार : दिल्ली

झुंझुनूं के सांसद खींचड़ से शिष्टाचार भेंट

दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के एक प्रतिनिधि मंडल ने दिनांक ११ अगस्त २०२२ गुरुवार को श्री नरेन्द्रजी खीचड़, (सांसद, झुंझुनू) से एक शिष्टाचार भेंट की व मारवाड़ी समाज को संगठित करने, मारवाड़ी भाषा को मान्यता दिलाने, राजस्थान में इंडस्ट्रियल ग्रोथ में प्रवासी मारवाड़ी भाईयों का कैसे सहयोग लिया जाए, इन सभी विषयों पर विचार विमर्श किया। खीचड़जी ने भी साथ मिलकर काम करने की इच्छा जाहिर की। शिष्ट मंडल में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पवनजी गोयनका, प्रादेशिक अध्यक्ष लक्ष्मीपतजी भूतोड़िया, सेंट्रल दिल्ली शाखा अध्यक्ष सज्जनजी शर्मा, गणगौर शाखा अध्यक्ष रमेशजी बजाज व अन्य समाज बंधु भी शामिल रहे।

ज्ञान ज्योति सम्मान समारोह का आयोजन

गुजरात प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन एवं गुजरात प्रदेश अग्रवाल सम्मेलन द्वारा १४ अगस्त २०२२ को अग्रवाल भवन, सूरत में संयुक्त रूप से ज्ञान ज्योति सम्मान समारोह का आयोजन किया गया जिसमें सूरत शहर की २०१ ऐसी प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया जिन्होंने हाल ही में आईएएस, आईआरएस, आईपीएस, चार्टर्ड अकाउंटेंसी, कंपनी सेक्रेटरी, एमबीबीएस, इंजीनियरिंग एवं स्पोर्ट्स आदि की परीक्षाओं में सफलता प्राप्त की है।

समारोह की अध्यक्षता गुजरात प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष श्री गोकुल की बजाज ने की।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका एवं सूरत शहर के डीसीपी श्री सागर बाघमार।

अपने संबोधन में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री पवन गोयनका ने बताया कि प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में समाज का अति महत्वपूर्ण रोल होता है। अतः हम सभी को हो समाज सेवा और समाज कल्याण के लिए कुछ न कुछ समय अवश्य देना चाहिए।

डीसीपी श्री सागर बाघमार ने कहा कि उन्नति के बहुत अवसर आते हैं और उसमें अगर समाज का साथ मिल जाए तो यह है सोने में सुहागा जैसा होगा।

समारोह में करीब ५०० समाज बंधुओं एवं प्रतिभाओं की उपस्थिति रही जिसमें सूरत शहर के गणमान्य व्यक्ति, व्यापारी वर्ग, उद्योगपति, महिला शक्ति एवं समाज सेवक शामिल थे। विशेष रूप से श्री विनोद अग्रवाल, रा. महामंत्री अ.भा. अग्रवाल सम्मेलन, श्री जयप्रकाश अग्रवाल, पूर्व प्रां. अध्यक्ष, श्री राहुल अग्रवाल प्रांतीय महामंत्री, श्री रामकरण बाजारी, प्रांतीय अध्यक्ष गुजरात प्रदेश अग्रवाल सम्मेलन, सीए विजय मित्तल कार्यक्रम संयोजक, एडवाइजर, अभिषेक चौधरी की उपस्थिति रही।

श्री अरविन्द सार्धशती
(1872-2022)

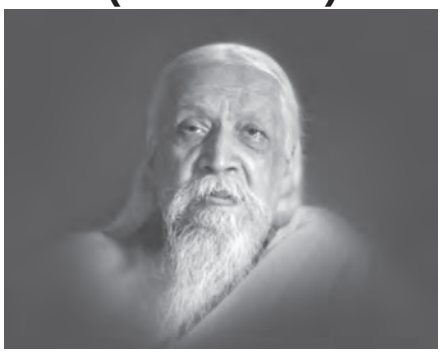

ऐतिहासिक तिथिया कृतज्ञता का अवसर देती है, नूतन उत्साह भरती है। १५ गस्त १८७२ श्री अरविन्द का जन्म दिन है- सार्धशती, (१५० वर्ष) १५ अगस्त १९४७ को हमारा देश स्वतंत्र हुआ-अमृत महोत्सव (७५ वर्ष)। दोनों तिथि हम सभी भारतीयों के लिए विशेष महत्व रखती है।

श्री अरविन्द स्वतंत्रता के अग्रदूत, क्रांतिकारी, कवि, लेखक, बहुमुखी, प्रतिभा सम्पन्न, दार्शनिक, ऋषि, मंत्रद्रष्टा एवं महान योगी थे। केवल ७ साल की उम्र में उन्हें इंग्लैंड पढ़ने के लिए भेज दिया गया। बालक अरविन्द ने लंदन में सेंट पाल स्कूल में विद्यालयी शिक्षा ली और छात्रवृत्ति जीतकर किंग्स कॉलेज कैंब्रिज में दाखिला पाए। उन्होंने आई.सी.एस की परीक्षा सफलतापूर्वक पास की, लेकिन अवसर दिए जाने के बाद भी अंतिम बाधा घुड़सवारी की परीक्षा पास नहीं की। वे कुछ और मन बना चुके थे।

श्री अरविन्द एक व्यक्ति न होकर एक प्रचंड आध्यात्मिक शक्ति थे। वीसवीं सदी के पहले दशक में स्वदेशी बायकाट, पूर्ण स्वराज, निष्क्रिय प्रतिरोध और ग्राम स्वराज जैसे विचार देनेवाले श्री अरविन्द ही थे, जिनका सदी के दूसरे और तीसरे दशक में महात्मा गाँधी ने अनुगमन किया। इनके लेखों और भाषणों को पंडित नेहरू और सुभाषचंद्र बोस जैसे उनके अनुवर्ती उत्साह और गंभीरता से पढ़ते थे। अंग्रेजी राज को उनकी कलम से इतना खौफ था कि तत्कालीन वायसराय ने सचिव को पत्र में लिखा भारत में फिलहाल अरविन्द घोष सबसे खतरनाक आदमी है जिससे हमें निपटना है।

देशबंधु चित्तरंजन दास ने उन्हें देशभक्ति का कवि, राष्ट्रवाद का मसीहा और मानवता का प्रेमी कहकर संबोधित किया।

श्री अरविन्द ने राष्ट्र को शक्ति का स्वरूप माना और लोक मानस से राष्ट्र को माँ की तरह पूजने का आह्वान किया। राष्ट्र को सबल, सम्पन्न और महान बनाने के लिए भारतीय युवाओं से सच्चे भारतीय होने और आंतरिक स्वराज प्राप्त करने का आह्वान किया। श्री अरविन्द ने भारत को ईश्वर के द्वारा सौंपे गये दायित्व और भारतीय संस्कृति व सनातन धर्म को देखने की दृष्टि दी।

१५ अगस्त १९४७ को आकाशवाणी से राष्ट्र के नाम संदेश में श्री अरविन्द ने अपने पाँच स्वपनों का उल्लेख किया जिन्हें आज के संदर्भ में भी गंभीर चिंतन से देखा जाना चाहिए। श्री अरविन्द ने "भारतीय संस्कृति के आधार" में लिखा-भारतीय आदर्श सनातन हैं। भारतीय संस्कृति की संचालिका आध्यात्मिक अभिप्सा है। भारत में चार पुरुषार्थ (धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष), चार वर्ण - (ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र), चार आश्रम - (ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ, संन्यासी) हमारी संस्कृति के विधायक तत्व रहे हैं। भारतीय संस्कृति में किसी भी पुरुषार्थ, वर्ण व आश्रम की उपेक्षा नहीं की गई है। वरन् सभी को महत्व देकर स्वीकार गया है।

भारतीय संस्कृति ने आध्यात्मिकता के दो मोड़ पूरे कर लिए हैं- आदिकालीन वैदिक युग एवं पौराणिक तांत्रिक युग। अब हम तीसरे मोड़ पर हैं मानव मन से आगे अतिमानस को चरितार्थ करना होगा तभी भारतीय संस्कृति को और समृद्ध किया जा सकेगा।

श्री अरविन्द का आह्वान है कि भारत को भारतीय बनकर ही बनाया और बचाया जा सकता है। श्री अरविन्द भारतीय युवाओं से मौलिक चिंतक बनने की पुरजोर वकालत करते हैं। वे प्रेरणा देते हैं वेद पढ़ें ताकि अपने युग की वेदना को आनंद के समाधान का गीत बना सकें। महाभारत प्रत्येक घर में इसलिए पढ़ा समझा जाए ताकि भावी महाभारतों का दुर्भाग्य टाला जा सके। जो अतीत हमें वर्तमान में जीना और भविष्य की मजबूत नींव डालने में मदद नहीं कर सकता उसका प्रयोजन क्या है।

वे गुजरे हुए भारत से ज्यादा आनेवाले भारत को लेकर ज्यादा चिंतित और उत्सुक हैं। उन्होंने लिखा, हमारा संबंध अतीत की उषाओं से नहीं, भविष्य की दोपहरों से है।

दिव्य जीवन में श्री अरविन्द स्पष्ट करते हैं शरीर, मन और प्राण का विकास आवश्यक है, परन्तु यह संपूर्ण नहीं है। बुद्धि मनुष्य की विशेषता नहीं है, यह अन्य प्राणियों में भी होती है। मनुष्य में आत्मबुद्धि होनी चाहिए। मेरी बुद्धि को वासुदेव चलाए या वासना यह निर्णय स्वयं को करना पड़ता है।

श्री अरविन्द दोनों को सत्य मानते हैं, जगत को भी और ब्रह्म को भी। दोनों का समन्वय दिव्य रूपांतरण उनके दर्शन की विशेषता है। मानसिक और अति मानसिक के मध्य के सोपानों उच्चतर मन, प्रदीप्त मन, प्रबुद्ध मन और अधिमन का बहुत सूक्ष्म विवेचन श्री अरविन्द ने दिव्य जीवन में किया है। श्री अरविन्द अन्नमय कोष से लेकर आनंदमय कोष तक चेतना की यात्रा कराते हैं। यह सजग साधन शैली श्री अरविन्द का रूपानंतर योग या सर्वांगीन योग है। इस रूपांतरण का अनुशीलन मनुष्य को चेतना के उस शिखर पर ले जा सकता है जिसे श्री अरविन्द ने अतिमानव कहा है। अतिमानव के लिए भारत में पैदा होना जरूरी नहीं परन्तु भारती भाव अनिवार्य होगा। संप्रदाय समिति हो सकता है, अध्यात्म उदार होता है। सभ्यता बाह्य रूप है संस्कृति अंतरतम रूप है।

आध्यात्मिक जीवन व्यावहारिक जीवन की जड़ है। जड़ काट दी जाए तो जीवन मृत। आत्मस्वरूप, मनुष्य संतुष्ट और समृद्ध नहीं हो सकता मन से आत्मा की ओर जाना होगा। व्यक्तिगत चेतना को समाहित होना होगा दिव्य चेतना से। श्री अरविन्द के दर्शन को यह सबसे क्रांतिकारी उद्घोषणा है कि मानव अंतिम नहीं है, वह केवल एक बीच की कड़ी यानी मध्यवर्ती सत्ता है। अपने जीवन को उच्चतर संकल्प और साधना की दिशा में मोड़कर वह देवपुरुष बन सकता है। मानव अभी भी धरती पर ईश्वर का सबसे उर्वर बीज है।

आलोक तुलस्यान
(पूर्व प्रदेश सचिव, श्री अरविन्द सोसाइटी, संयुक्त बिहार)

देव-स्तुति

[गतांक से आगे]

– डॉ. जुगल किशोर सर्राफ

श्री प्रजापतय ऊचुः

त्वमेकः सर्वजगत ईश्वरो बन्धमोक्षयोः।

तं त्वामर्चन्ति कुशलाः प्रपननार्तिहरं गुरुम्।।

हे भगवान! आप समस्त विश्व के बन्धन तथा कारण हैं क्योंकि आप इसके शासक हैं। जो लोग आध्यात्मिक चेतना में बढ़े-चढ़े हैं, वे आपकी शरण में जाते हैं, अतएव आप उनके कष्टों को दूर करने वाले हैं और आप उनकी मुक्ति के कारण हैं। अतएव हम आपकी पूजा करते हैं।

गुणमय्या स्वशक्त्यास्य सर्गस्थित्यप्ययान्विभो।

धत्से यदा स्वदृग्भूमन्ब्रह्मविष्णुशिवाभिधाम्।।

हे भगवान्! आप आत्म-प्रकाशित तथा सर्वश्रेष्ठ हैं। आप अपनी निजी शक्ति से इस भौतिक जगत का सृजन करते हैं और जब आप सृष्टि, पालन तथा संहार का कार्य सम्पन्न करते हैं, तो ब्रह्मा, विष्णु अथवा शिव के नाम अपना कर लेते हैं।

त्वं ब्रह्म परमं गुह्यं सदसद्भावभावनम्।

नानाशक्तिभिराभातस्त्वमात्मा जगदीश्वरः।।

आप समस्त कारणों के कारण, स्वयं-प्रकाशित, अचिन्त्य, निराकार ब्रह्म है, जो मूलतः परब्रह्म हैं। आप इस दृश्य जगत में विभिन्न शक्तियों को प्रकट करते हैं।

त्वं शब्दयोनिर्जगदादिरात्मा

प्राणेन्द्रियद्रव्यगुणः स्वभावः।

कालः क्रतुः सत्यमृतं च धर्म-

स्त्वय्यक्षरं यत्त्रिवृदामनन्ति।।

हे स्वामी! आप वैदिक ज्ञान के मूल स्रोत हैं। आप भौतिक सृष्टि, प्राण, इन्द्रियों, पाँच तत्त्वों, तीन गुणों तथा महत् तत्त्व के मूल कारण हैं। आप नित्य काल, संकल्प तथा सत्य और ऋत कही जाने वाली दो धार्मिक प्रणालियाँ हैं। आप तीन अक्षरों - अ, उ तथा म् वाले ॐ शब्द के आश्रय हैं।

मुखानि पञ्चोपनिषदस्तवेश

यैस्त्रिंशदष्टोत्तरमन्त्रवर्गः।

यत्तच्छिवाख्यं परमात्मतत्त्वं

देव स्वयंज्योतिरवस्थितिस्ते।।

हे भगवान! पाँच महत्वपूर्ण वैदिक मंत्र आपके पाँच मुखों के द्योतक हैं। जिनसे अड़तीस महत्वपूर्ण वैदिक मंत्र उत्पन्न हुए हैं। आप शिव नाम से विश्व स्वयं प्रकाशित है। आप परमात्मा नाम से प्रत्यक्ष परम सत्य के रूप में स्थित हैं।

श्री महादेव उवाच

देवदेव जगद्व्यापिञ्ज गदीश जगन्मय।

सर्वेषामपि भावानां त्वमात्मा हेतुरीश्वरः।।

हे देवताओं में सर्वश्रेष्ठ देवता! हे सर्वव्यापी भगवान्! हे ब्रह्मांड के स्वामी! आपने अपनी शक्ति से अपने को सृष्टि में रूपान्तरित कर दिया है। आप प्रत्येक वस्तु के मूल एवं सक्षम कारण हैं। आप भौतिक नहीं है। निस्सन्देह, आप हर एक की परम संजीवनी शक्ति या परमात्मा हैं। अतएव आप परमेश्वर हैं अर्थात् सभी नियन्त्रकों के परम नियन्त्रक हैं।

अवतारा मया दृष्टा रममाणस्य ते गुणैः।

सोऽहं तदद्रष्टुमिच्छामि यत्ते योषिद्वपुर्धृतम्।।

हे भगवान! मैंने आपके उन समस्त अवतारों का दर्शन किया है जिन्हें आप अपने दिव्य गुणों के द्वारा प्रकट कर चुके हैं। अब जबकि आप एक तरुण स्त्री के रूप में प्रकट हुए हैं, मैं आपके उसी स्वरूप का दर्शन करना चाहता हूँ।

येन सम्मोहिता दैत्याः पायिताश्चामृतं सुराः।

तद्दिदृक्षव आयाताः परं कौतूहलं हि नः।।

हे भगवान्! हम लोग यहाँ पर आपके उस स्वरूप का दर्शन करने आये हैं जिसे आपने असुरों को मोहित करने के लिए दिखलाया था और इस तरह देवाताओं को अमृत पान करने दिया था। मैं उस रूप का दर्शन करने के लिए अत्यन्त उत्सुक हूँ।

श्रीशुक उवाच

असदविषयमधङ्घ भावगम्यं प्रपन्ना

नमृतममरवर्यानाशयत्सिन्धुमथ्यम्।

कपटयुवतिवेषो मोहयन्यः सुरारीं-

स्तमहमुपसृतानां कामपूरं नतोऽस्मि।।

एक युवा स्त्री का रूप धारण करके तथा इस तरह असुरों को मोहित अपने भक्तों अर्थात् देवताओं को क्षीरसागर के मन्थन से उत्पन्न अमृत बाँट दिया। मैं उन भगवान् को जो अपने भक्तों की इच्छाओं को सदा पूर्ण करते हैं, अपना सादर नमस्कार अर्पित करता हूँ।

RAMKRISHNA FORGINGS LIMITED

RAMKRISHNA FORGINGS LIMITED (RKFL) is India's Second biggest and leading Integrated Forging cum Machining Company. RKFL have Closed Die Forging Hammers, Upsetters, Ring Rolling & Press Lines from 2000 to 12500 Tons. RKFL is a supplier of major OEM's, Tier 1, suppliers globally for Automotive, Mining, Earth Moving, Oil & Gas, Railways and General Engineering Industries.

The Company is accredited with IATF 16949, ISO 14001 (EMS), OSHAS 18001, AS9100D and Testing Laboratories are NABL accredited (ISO/IEC 17025:2005). Its Corporate Office is located is Kolkata & Facilities are in Jamshedpur.

RKFL's product is exported to North America, South America, Europe, Australia, UK, Turkey and Asian Countries.

Regd. & Corporate Office:

23, Circus Avenue, 9th Floor,
Kolkata – 700 017, West Bengal, India.
Office phone : +(91) 033 4082 0900 / 7122 0900
Email – info@ramkrishnaforgings.com
Web site – www.ramkrishnaforgings.com

Overseas Office at:

Detroit-USA, Toluca-Mexico, Istanbul-Turkey.

Plants at:

Plant I, III, IV, V, VI & VII at Jamshedpur, India
Plant: II at Liluah, Howrah, India

REGISTERED Postal Registration
No. KOLRMS/93/2021-2023
Date of Publication - 25th August 2022
RNI Regd. No. 2866/1968

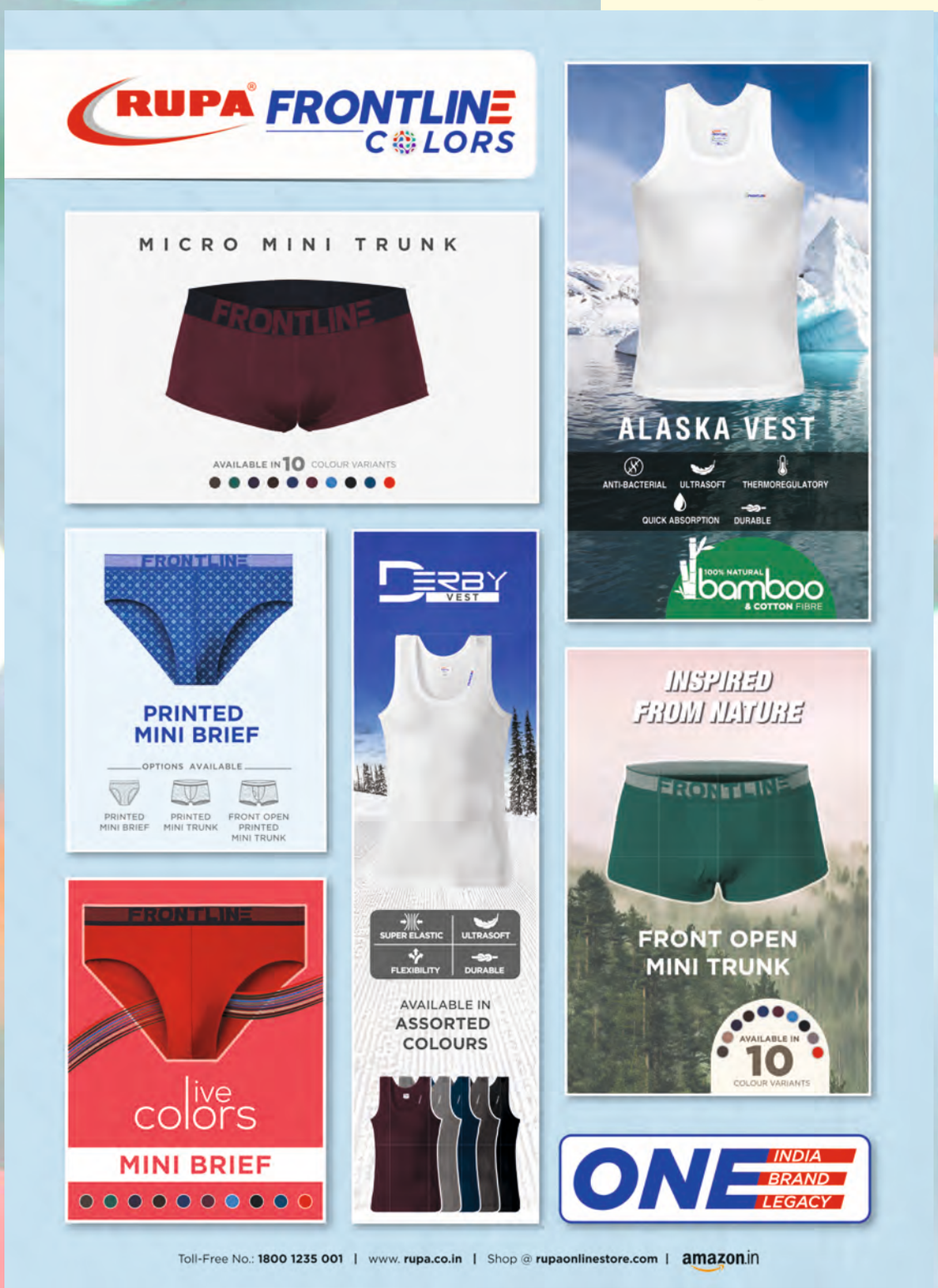

From :
All India Marwari Federation
4B, Duckback House
41, Shakespeare Sarani, Kolkata-17
Phone : (033) 4004 4089
E-mail : aimf1935@gmail.com